सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की

मूल्य ₹ 3/-

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 10 ● अंक: 281 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 19 नवम्बर, 2024

क्या हम यह नहीं जानते कि आत्म सम्मान आत्म निर्भरता के साथ आता है?
-डॉ. अब्दुल कलाम

कोहली की सफलता पर टिका भारत... 7 | एनडीए में मची खटपट, अलग होने... 3 | भाजपा की नकारात्मकता को फिर... 2

वोटिंग से पहले महायुति परिवार में फैल गया रायता

मोहन यादव फैला गये भ्रम, कहा-कोई भी बन सकता है सीएम

महाराष्ट्र में महायुति गठबंधन-एक अनार सौ बीमार

» एकनाथ शिंदे, अजित पवार और फडणवीस के स्थान पर नया चेहरा! सता रहा है महायुति को हार का डर

» सहयोगी दल नहीं कर पा रहे हैं बीजेपी की रणनीति पर भरोसा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा की वोटिंग में महज 18 घंटे बाकी हैं और महायुति परिवार में मुख्यमंत्री पद के चेहरे को लेकर रायता फैल गया है। दरअसल मध्य प्रदेश के सीएम मोहन यादव ने इशारों-इशारों में कह दिया कि यहां भी मध्य प्रदेश की तर्ज पर कोई नया मुख्यमंत्री चेहरा हो सकता है। उनके इस बयान से महाराष्ट्र की सियासत में भूचाल खड़ा हो गया है। गौरतलब है कि महाराष्ट्र में कल वोट पड़ने और एक दिन पहले इस तरह के फार्मूले से अजित पवार, एकनाथ शिंदे और फडणवीस तीनों के बीच की दरार और चौड़ी हो गयी। राजनीतिक विषलेशक इस बयान को मनोबल तोड़ने वाला बयान भी कह रहे हैं।

कांदीवाली विधानसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार अतुल भातखलकर के लिए चुनाव प्रचार करने पहुंचे मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने भरी सभा में बयान दिया कि गठबंधन जिसे चाहेगा वह सीएम बनेगा। उनके इस बयान से महायुति परिवार में भयंकर रोष पैदा हो गया है। एकनाथ शिंदे, अजित पवार और फडणवीस के स्थान पर नये चेहरे की एंट्री से कन्फयूजन वाली स्थिति पैदा हो गयी है और चेहरा बस यहीं से वोटिंग शुरू होने से पहले ही महाराष्ट्र की जनता में सुगबुगाहट शुरू हो गयी है। महायुति की इस स्थिति का सीधा फायदा महाविकास आघाडी को जाता दिखायी दे रहा हैं। जिन जगहों पर क्रिश्चियन और मुस्लमान एनसीपी शरद पवार से टूट कर अजित पवार वाली एनसीपी के साथ खड़ा था वहां वह वापस शरद पवार के पास लौट चुका है।

और चौड़ी हो गयी अजित पवार एकनाथ शिंदे और फडणवीस के बीच की दरार

“ दरअसल मध्य प्रदेश के सीएम मोहन यादव ने इशारो-इशारों में कह दिया कि यहां भी मध्य प्रदेश की तर्ज पर कोई नया मुख्यमंत्री चेहरा हो सकता है। उनके इस बयान से महाराष्ट्र की सियासत में भूचाल खड़ा हो गया है।

हार से घबराई भाजपा ने करवाया हमला : देशमुख

नागपुर के काटोल में पूर्व गृह मंत्री और एनसीपी शरद पवार गुट के नेता अनिल देशमुख की कार पर पथराव किया गया। इस हमले में अनिल देशमुख घायल हो गए। उन्हें काटोल के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अनिल देशमुख ने बीजेपी कार्यकर्ताओं पर हमले का आरोप लगाया है। घटना का वीडियो भी शरद पवार गुट की एनसीपी ने जारी किया है। इस हमले से राजनीतिक गलियारों में हड़कंप मच गया है। जानकारी के मुताबिक, काटोल विधानसभा क्षेत्र में चुनाव नजदीक आ रहा है। अनिल देशमुख सोमवार को एनसीपी उम्मीदवार सलिल देशमुख के लिए प्रचार करने नरखेड़ गए थे। यहां बैठक के बाद देशमुख कार से वापस काटोल आने लगे। जलालखेड़ा रोड पर बेलफाटा के पास स्पीड लिमिट पर उनकी कार धीमी हो गई। इसका फायदा उठाकर मुंह पर कपड़ा बांधे तीन-चार आदमी वहां आ गए। उन्होंने कार पर पथराव किया।

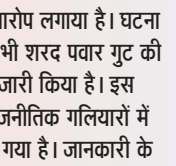

अजित खुद को सीएम चेहरा बता कर मांग रहे हैं वोट

दरअसल चुनाव से पहले भाजपा रणनीतिकार यह मान कर चल रहे थे कि अजित पवार मुस्लिम और क्रिश्चियन मतों में सेंधमारी कर ले जाएंगे। लेकिन नहीं हुआ। जैसे जैसे चुनाव आगे बड़ा वैसे वैसे पत्ते खुलते गये और साफ हो गया कि जैसा सोचा गया था वैसा नहीं हुआ। गौरतलब है कि अजित पवार की एनसीपी भी उन्हीं सीटों पर चुनाव लड़ रही है जहां से शरद पवार चुनाव लड़ रहे हैं। अजित पवार का भी बेस वोट मुस्लिम, क्रिश्चियन है और शरद पवार का भी। अजित पवार जहां भी प्रचार के लिए जा रहे हैं वह खुद को मुख्यमंत्री का संभावित चेहरा बता कर वोट मांग रहे हैं। सियासी पंडित यही कह रहे है कि कट्टर हिंदुत्व वाला कार्ड चलकर बीजेपी ने यहां गलती कर दी और मुस्लिम और क्रिश्चिश्न दोनो के वोटर वापस एनसीपी शदर पवार और कांग्रेस के पास चले गये। यानि कि वोटों की सेंधमारी का जो फार्मूला बीजेपी ने दिया था वह फेल हो गया। बीजेपी नेता खुद यह मान रहे हैं कि महायुति के बीच की दरार अब आम लोगों को भी साफ दिखाई देने लगी है और यह मामला हद से बाहर चला गया है।

मध्य प्रदेश में यही स्थिति थी

जो स्थिति महाराष्ट्र में है ठीक वैसी ही स्थिति मध्य प्रदेश में भी थी। वहां भी सीएम पद के कई दावेदार थे और सब एक से बढ़कर एक। वहां भारतीय जनता पार्टी ने मोहन यादव को मुख्यमंत्री डिक्लेयर कर दिया। उत्तर प्रदेश में भी इस फार्मूले पर काम हो चुका है और केशव प्रसाद मौर्या, मनोज सिन्हा को पीछे छोड़कर योगी को मुख्यमंत्री बना दिया गया।

सीटों का गणित

महायुति गठबंधन में भारतीय जनता पार्टी सबसे ज्यादा 148 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। अजित पवार की एनसीपी के हिस्से में 53 सीटें आयी हैं और एकनाथ शिंदे की शिवसेना 80 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। आरपीआई आठवले, युवा स्वाभिमान पार्टी, राष्ट्रीय समाज पक्ष और जनसुराज्य पक्ष भी महायुति का हिस्सा हैं, जो एक-एक सीट पर चुनाव लड़ रहे हैं। अजित पवार चाहते हैं कि यदि महायुति की सरकार बनती है तो वह सीएम बने। जबकि एकनाथ शिंदे कह रहे हैं कि चुनाव उनके चेहरे पर लड़ा जा रहा है। देवेन्द्र फडणवीस तो खुद मुख्यमंत्री रह चुके हैं। ऐसे में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव कांदीवाली सीट पर प्रचार करने पहुंचे थे और वहां उन्होंने वहां बीजेपी के उस फार्मूले को याद दिलाया जैसा कि मध्य प्रदेश में हुआ था।

भाजपा की नकारात्मकता को फिर चटाएंगे धूल

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने बीजेपी पर बोला हमला, उपचुनाव में पूरा पीडीए समाज एकजुट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि यह उपचुनाव उत्तर प्रदेश के भविष्य का रुख तय करेंगे। इन उपचुनावों में लोकसभा-2024 के चुनावों की तरह भाजपा की नकारात्मक राजनीति को फिर से धूल चटाने और संविधान, लोकतंत्र, आरक्षण व सामाजिक न्याय के संघर्ष को बचाने के लिए पूरा पीडीए समाज एकजुट है। उन्होंने जारी बयान में कहा कि महंगाई, बेरोजगारी-बेकारी, भ्रष्टचार और नफरत की राजनीति से मुक्ति के लिए पीडीए फिर से लामबंद है। अब उसके सामने एक स्पष्ट लक्ष्य भविष्य में अपनी सरकार बनाना है।

अखिलेश यादव ने मतदाताओं से अपील की कि शत-प्रतिशत मतदान करें और पूरी तरह से सावधान रहें। वहीं, महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में भी अखिलेश ने मतदाताओं से इंडिया गठबंधन के पक्ष में मतदान की अपील की है।

पुलिसकर्मी न करें मतदाता पहचान पत्र की जांच

समाजवादी पार्टी ने प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन देकर उपचुनाव के मतदान के दिन किसी पुलिसकर्मी को मतदाता पहचान पत्र की जांच न करने का आदेश दिया जाए। पार्टी का कहना है कि इस संबंध में संबंधित निर्वाचित अधिकारी, जिलाधिकारी, सामान्य प्रेक्षक, पुलिस प्रशासन के अधिकारियों को लिखित आदेश जारी किया जाए। उन्होंने कहा कि मतदान केंद्र पर मतदाता पहचान पत्र की जांच करने का अधिकार मतदान अधिकारी को है। लोकसभा 2024 के चुनाव में मतदान के दिन मतदान केंद्र पर सुरक्षा व्यवस्था के लिए लगाए गए पुलिसकर्मियों ने अपने पद का दुरुपयोग करके सपा समर्थक मतदाताओं को विशेषकर मुस्लिम मतदाताओं को उनके नकाब उठाने की प्रक्रिया से भयभीत किया।

लाल कार्ड बांटकर वोटरों पर बनाया जा रहा दबाव

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने प्रशासनिक अधिकारियो पर पक्षपात करने का आरोप लगाया है। सपा अध्यक्ष ने एक लाल रंग की पर्ची की तस्वीर शेयर करते हुए आरोप लगाया कि अधिकारी ये लाल कार्ड बांटकर मतदातों पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने चुनाव आयोग से इस मामले को संज्ञान में लेने और तत्काल कार्रवाई की मांग की। सपा अध्यक्ष ने एक्स पर लिखा- चुनाव आयोग तुरंत इस बात का संज्ञान ले कि उप्र में शासन-प्रशासन पक्षपात पूर्ण रवैया अपना रहा है और मतदान को बाधित करने के लिए 'नोटिस-चेतावनी' के लाल कार्ड बाँटकर मतदाताओं पर दबाव बना रहा है। ये एक तरह से संविधान द्वारा दिये गये वोटिंग के अधिकार को छीनने का गैर-क़ानूनी कृत्य है। इसे एक अपराध की तरह दर्ज करके तुरंत कार्रवाई की जाए अन्यथा माननीय सर्वोच्च से ये अपील होगी कि वो स्वतः संज्ञान लेते हुए पक्षपाती शासन-प्रशासन को निष्पक्ष चुनाव कराने का निर्देश दे।

नहीं उड़ सका हेलिकॉप्टर तो हरिद्वार में रुके सपा प्रमुख

पूर्व सीएम एवं सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव का हेलिकॉप्टर कम विजिबिलिटी से जौलीग्रांट एयरपोर्ट से नहीं उड़ सका। इंतजार के बाद वह रात्रि विश्राम के लिए हरिद्वार पहुंच गए। सपा अध्यक्ष सोमवार को मुजफ्फरनगर के मीरापुर में चुनावी जनसभा में शामिल होना था। गाजियाबाद में कोहरे के कारण उनका हेलिकॉप्टर लैंड नहीं हो पाया था। लिहाजा, वह जौलीग्रांट एयरपोर्ट पहुंचे। यहां से सड़क मार्ग से मीरापुर की सभा में शामिल हुए। लौटते समय तक अंधेरा छा गया। इसके चलते हेलिकॉप्टर नहीं उड़ पाया। थोड़ी देर जौलीग्रांट एयरपोर्ट पर इंतजार करने के बाद वह हरिद्वार चले गए। पार्टी के प्रदेश महासचिव अतुल शर्मा ने बताया, मंगलवार को सुबह सपा अध्यक्ष लौट जाएंगे।

अपने प्रदेश में डंका फट रहा, सीएम दूसरे प्रदेश में डंका बजा रहे

यूपी के गोंडा में पुलिस के सामने एक युवती छत से कूद गई। वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया। इसका वीडियो सामने आया है। इस वीडियो के सपा मुखिया अखिलेश यादव ने एक्स पर पोस्ट करते हुए सरकार को घेरा है। उन्होंने प्रदेश की कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं। सपा मुखिया ने सीएम योगी आदित्यनाथ को निशाने पर लेते हुए एक्स पर पोस्ट किया। लिखा जब दूसरे प्रदेशों के चुनावी-प्रचार से फुरसत पा जाएं तो अपने प्रदेश का ये वीडियो देख लें। जब उनके अपने प्रदेश में डंका फट रहा है, तो दूसरे प्रदेश में डंका बजाने कैसे जा सकते हैं?

भगवान व जनता 'आप' के साथ: केजरीवाल

» चुनावी तैयारी में जुटे आम आदमी पार्टी संयोजक

» बोले- बहुमत के साथ जीतेगी आम आदमी पार्टी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुटी आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने पदाधिकारी सम्मेलन को संबोधित किया। इसके तहत उन्होंने दक्षिणी दिल्ली, उत्तर-पूर्वी दिल्ली और पूर्वी दिल्ली लोकसभा में मंडल प्रभारियों से बात कर हर बूथ जीतने का मंत्र दिया। उन्होंने कहा कि भगवान आप के साथ है। इस बार भी आप प्रचंड बहुमत के साथ दिल्ली का चुनाव जीतेगी।

उन्होंने दावा किया कि एमसीडी मेयर चुनाव में भगवान ने आप को यह संकेत दे दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा पूरे आत्म विश्वास में थी कि पैसा और पावर से आप के पार्षदों को तोड़कर एमसीडी मेयर का चुनाव जीत लेंगे। लेकिन, भगवान ने अपना सुदर्शन चक्र चलाया और आप जीत गई। पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि आप का सबके बीच एक भावनात्मक रिश्ता है। इस वजह से केजरीवाल कहते हैं कि यह पार्टी नहीं, परिवार है।

ह्यह्यभाजपा अपनी सारी ताकत लगाकर पिछले दस साल से जब से पार्टी बनी है इस पार्टी को नहीं, बल्कि इस परिवार को तोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन, यह आप की ताकत है कि हम एक परिवार हैं और एक मुट्ठी की तरह एकजुट होकर रहते हैं। दिल्ली चुनाव की घोषणा होने में मुश्किल से 40-45 दिन का समय रह गया है। अब कमर कसकर इसमें लगना पड़ेगा।

भाजपा की 20 राज्यों में सरकारें पर जनता को कुछ नहीं मिल रहा

केजरीवाल ने कहा कि आप सच्चाई के रास्ते पर चल रही है। लड़ाई बहुत मुश्किल है। पिछले दो साल के अंदर आप ने जो झेला है ऐसा किसी पार्टी के ऊपर इतना जबरदस्त वार नहीं हुआ होगा। केजरीवाल ने कहा कि भाजपा कहती है कि आप मुफ्त की रेवड़ी देती है। उन्होंने कहा, हां आप फ्री की छह रेवड़ियां देती है। भाजपा की 20 राज्यों में सरकार है, लेकिन वो एक भी राज्य बता दे जहां इनमें से एक भी रेवड़ी मिलती हो। पहली रेवड़ी है कि 24 घंटे बिजली आना। दूसरी पानी फ्री कर दिया। तीसरी स्कूल अच्छे कर दिए। चौथी इलाज मुफ्त कर दिया। पांचवी रेवड़ी महिलाओं की फ्री बस यात्रा है। छठी रेवड़ी तीर्थयात्रा है। भाजपा वाले ये नहीं देंगे।

आसान नहीं था मेरा आम आदमी पार्टी छोड़ना: कैलाश

» बोले- किसी के दबाव में फैसला नहीं लिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आप से भाजपा में शामिल कैलाश गहलोत ने कहा कि मैंने आजतक किसी के दवाब में कोई काम नहीं किया है। जितनी भी ऐसी बातें मुझे सुनने में आ रही है कि मैंने ये सीबीआई के दवाब में ऐसा किया या किसी और दवाब में किया ये गलत है। यह निर्णय एक दिन का नहीं है।

हजारों लोग अन्ना के आंदोलन के बाद एक विचारधारा से जुड़े, मेरा राजनीति में आने का मकसद लोगों की सेवा करना है। लेकिन जिन मूल्यों के लिए आम आदमी पार्टी ज्वाइन की उनका पतन देखा तो मैं दंग रह गया। उन्होंने कहा कि ये सिर्फ मेरी बात नहीं है, हजारों आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता ऐसा सोच रहे हैं। आम आदमी अब कुछ खास आदमी बन चुके हैं। कोई सरकार अगर लगातार केंद्र सरकार से लड़ने में समय निकालेगी तो दिल्ली का विकास कैसे होगा? मेरा जितना समय मंत्री के रूप में निकला, मेरी पूरी कोशिश रही कि मैं बेहतर करूं।

झारखंड चुनाव में भाजपा के विज्ञापन पर भड़कीं महबूबा

» कहा-राष्ट्र की धर्मनिरपेक्षता के खिलाफ है यह विज्ञापन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने भाजपा द्वारा झारखंड चुनावों के लिए जारी किए गए एक विज्ञापन पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की जिसे उन्होंने बेहद साम्प्रदायिक और राष्ट्र की धर्मनिरपेक्षता के खिलाफ बताया। यह विज्ञापन भाजपा के झारखंड इकाई के एक्स हैंडल पर पोस्ट किया गया था, लेकिन चुनाव आयोग द्वारा राज्य चुनाव अधिकारी को निर्देश देने के बाद इसे हटा लिया गया।

महबूबा मुफ्ती ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा झारखंड विधानसभा चुनावों के लिए भाजपा का यह विज्ञापन कश्मीर की नेतृत्व क्षमता को शर्मसार कर देने वाला है, क्योंकि जम्मू और कश्मीर एक मुस्लिम बहुल राज्य होते हुए भी कश्मीर के नेताओं ने धर्मनिरपेक्ष लोकतांत्रिक भारत में शामिल होने का निर्णय लिया था। यह निर्णय एक ऐसे विविधतापूर्ण राष्ट्र की कल्पना के तहत लिया गया था जहां सभी धर्म शांति और सम्मान के साथ होना चाहिए। यह विज्ञापन, जो कि अत्यंत साम्प्रदायिक है, इस राष्ट्र के बुनियादी आदर्शों और धर्मनिरपेक्षता के खिलाफ है। यह शुद्ध जहर है। रविवार को, भारत के चुनाव आयोग ने कांग्रेस और झारखंड मुक्ति मोर्चा द्वारा किए गए शिकायतों पर गंभीरता से ध्यान दिया और भाजपा के झारखंड राज्य इकाई से सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर जवाब तलब किया।

एनडीए में मची खटपट, अलग होने लगे घटक

चुनावों से पहले नेताओं की आवाजाही शुरू

- सहयोगियों के मनमुटाव आने लगे बीच चौराहे
- मणिपुर में हिंसा के बाद एनएनपी ने छोड़ा साथ
- आप व कांग्रेस में कई नेता इधर-उधर
- दिल्ली, एमपी, महाराष्ट्र में उठापटक तेज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। समर्थन वापसी के साथ ही एनडीए कुनबे की खटपट अब बीच चौराहे पर आने लगी हैं। धीरे-धीरे भाजपा के सहयोगी दल अपना रास्ता चुन रहे हैं। शुरुआत मणिपुर से हो चुकी है और आने वाले समय में यह उठापटक मध्य प्रदेश से होते हुए महाराष्ट्र तक जाती दिखाई देगी। मध्य प्रदेश में ज्योतिराज सिंधिया के साथ बीजेपी का दामन थामने वाले पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश पचौरी, पूर्व सांसद गजेंद्र सिंह राजूखेड़ी के अलावा कमलनाथ के करीबियों में गिने जाने वाले दीपक सक्सेना और अमरवाड़ा के विधायक कमलेश शाह ने कांग्रेस में वापसी का मन बना लिया है। क्योंकि एमपी में सरकार गठन हुए 11 माह से ज्यादा का समय बीत जाने के बाद भी इन लोगों को सरकार में समाहित नहीं किया गया।

महाराष्ट्र में अजीत पावर ने भी लगभग बीजेपी से पल्ला झाड़ने का काम कर दिया है और वह चाचा शरद पावार के सम्पर्क में है और वह जैसा कह रहे हैं वैसा ही करते दिखायी दे रहे हैं। क्योंकि बीजेपी ने पहली बार चुनाव में जिस कट्टर हिंदूत्व के सहारे चुनाव लड़ना चाहा उसपर अजीत पवार ने ब्रेक लागने का काम किया है। ऐसा नहीं के एनडीए में ही उठापटक चल रही है। कुछ इसी तरह का हाल आगामी आने वाले चुनावी राज्यों में भी है। जहां दिल्ली में बहुत से आप से भाजपा, भाजपा से आप, कांग्रेस से आप, आप में जा रहे हैं तो बिहार व अन्य कई राज्यों में नेताओं की आवाजाही लगी है।

मध्य प्रदेश में घर वापसी को तैयार कांग्रेसी नेता

पिछले विधानसभा और लोकसभा चुनाव के दौरान भी कांग्रेस के कई बड़े नेताओं ने दल बदल किया। इनमें पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश पचौरी, पूर्व सांसद गजेंद्र सिंह राजूखेड़ी के अलावा कमलनाथ के करीबियों में गिने जाने वाले दीपक सक्सेना और अमरवाड़ा के विधायक कमलेश शाह प्रमुख हैं। वहीं कई पूर्व विधायक भी भाजपा में शामिल हुए हैं। यह ऐसे नेता हैं, जो भाजपा में आने के बाद बड़ी जिम्मेदारी हासिल करने की उम्मीद लगाए बैठे हैं। राज्य में डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में बने भाजपा की सरकार को 11 माह का वक्त बीत चुका है। लेकिन इन चेहरों को सरकार में जगह नहीं मिली है। हालांकि इस दरम्यिान बहुत से निगम और दूसरे जगहों पर लोगों को समाहित किया गया है लेकिन वह लोग संगठन और बीजेपी के करीबी है। बताया यह जा रहा है कि बीजेपी में गये बड़े चेहरे राजनीतिक एंकातवास से उब चुके हैं और कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्तव के सम्पर्क में हैं।

दिल्ली में नेताओं का दलबदल शुरू

दिल्ली में 2025 में चुनाव है। उससे पहले वहां के नेताओं का पार्टियों को छोड़ने का सिलसिला जारी हो गया है। सरकार के पूर्व मंत्री कैलाश गहलोत भाजपा में शामिल हो गए। गहलोत रविवार को मंत्री पद से इस्तीफा देने के साथ ही आम आदमी पार्टी की प्राथमिक सदस्यता छोड़ चुके हैं। उन्होंने ने सोमवार को भाजपा के राष्ट्रीय कार्यालय में बीजेपी ज्वाइन की है। दिल्ली विधानसभा चुनाव से ठीक पहले कैलाश गहलोत ने इस्तीफे का एलान कर आदमी पार्टी को झटका दिया है। कैलाश गहलोत ने रविवार को आम आदमी पार्टी को झटका देते हुए प्राथमिक सदस्यता भी छोड़ दी थी। कैलाश गहलोत के भाजपा में जाने के सवाल पर आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा, वो फी हैं जहां मर्जी है वहां जाएं। वहीं, मनीष सिसोदिया कहा कि उनके साथ गरिमापूर्ण साथ रहा है। अब वह अगर भाजपा के साथ काम करना चाहते हैं, कहां से चुनाव लड़ना चाहते हैं, अब यह उनकी इच्छा है। इससे पहले, दिल्ली प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने दावा किया है कि विधानसभा चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी के कई बड़े नेता भाजपा में शामिल होंगे। कैलाश गहलोत ने आम आदमी पार्टी छोड़ने के साथ आप की कार्यप्रणाली पर उठाए सवाल थे। उन्होंने यमुना की बदहाली से लेकर शीशमहल तक का अरविंद केजरीवाल को लिखे गए पत्र में जिक्र किया था।

सत्ता में बैठी भाजपा कर रही गंदी राजनीति : संजय सिंह

दिल्ली सरकार में मंत्री कैलाश गहलोत द्वारा इस्तीफा दिए जाने पर आम आदमी पार्टी ने भारतीय जनता पार्टी पर हमला बोला। आप ने कहा कि यह ईडी सीबीआइ का डर दिखाकर भाजपा द्वारा दबाव बनाकर इस्तीफा दिलाने का षड्यंत्र का हिस्सा है। पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने इस मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि कैलाश गहलोत का इस्तीफा भाजपा की गंदी राजनीति और षड्यंत्र का हिस्सा है।

महाराष्ट्र में बीजेपी पर अजित का सियासी आघात

महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव चल रहे हैं। सरकार का अहम हिस्सा अजीत पवार के सियासी रूख से बीजेपी में घबराहट साफ दिखाई दे रही है। अजीत पवार के हिस्से में 56 विधानसभा की सीटें है। और उन्होंने वहां पीएम मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और यूपी के सीएम योगी की जनसभाओं पर रोक लगा दी है। अजीत पवार ने बीजेपी के हिंदुत्व वाले कार्ड पर ब्रेक लगाने का काम किया है। कूटनीतिज्ञ उनके इस वार को चाचा चाणक्य शरद पवार के दिखाये रास्ते पर अमल करना बता रहे हैं। अजित पवार ने साफ कर दिया है कि जहां जहां महायुति की ओर से उनकी पार्टी चुनाव लड़ रही है वहां पर उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ की जरूरत नहीं है। उन्होंने साफ कर दिया है कि वे इस प्रकार के हिंदुत्व वाले विचारों के समर्थक नहीं हैं। उन्होंने कहा कि वे सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास पर चलते हैं।

विश्वासघात करने वालों को उनकी जगह दिखानी चाहिए : शरद पवार

नेताओं का एकदल से दूसरे दल में जाना तो आम बात है पर पिछले कुछ सालों में सत्ता में बैठी भाजपा ने विपक्षी दलों की सरकारों में टूट-फूट कराकर सत्ता हथिया लिया। इस छल का सबसे बड़ा शिकार महाराष्ट्र की शिवसेना व एनसीपी हुई। दोनों दलों के पुराने कप्तानों को यह छल पंसद नहीं आया और इसबार चुनाव में वह जनता से बागियों को सबक सिखाने की बात कर रहे हैं। इसी क्रम में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) सुप्रीमो शरद पवार ने विधानसभा चुनाव में अजित पवार के नेतृत्व में बगावत करने वालों को न केवल हराने, बल्कि बुरी तरह से हराने की अपील की है। शरद पवार ने सोलापुर जिले के माढा में जनसभा को संबोधित करते हुए दल-बदल की एक घटना को याद किया, जिसके कारण लगभग पांच दशक पहले उन्हें विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष का पद खोना पड़ा था और उनके दृढ़ संकल्प के कारण उन सभी लोगों की हार हुई,

जिन्होंने उनके साथ 'विश्वासघात' किया था। एनसीपी नेता ने आगे कहा कि 1980 के चुनाव में, हमारी पार्टी से 58 लोग चुनाव जीते और मैं विपक्ष का नेता बना। मैं विदेश गया था और जब वापस आया तो मुझे एहसास हुआ कि मुख्यमंत्री एआर अंतुले ने कोई चमत्कार कर दिया है और 58 में से 52 विधायकों ने पाला बदल लिया है। मैंने विपक्ष के नेता का पद खो दिया।जनसभा को संबोधित करते हुए पवार ने कहा,मैंने (उस समय) कुछ नहीं किया। मैंने सिर्फ राज्य भर में लोगों से संपर्क करना शुरू किया और तीन साल तक कड़ी मेहनत की। अगले चुनावों में मैंने उन सभी 52 विधायकों के खिलाफ युवा उम्मीदवार खड़े किए, जिन्होंने मुझे छोड़ दिया था। मुझे महाराष्ट्र के लोगों पर गर्व है कि मुझे छोड़ने वाले सभी 52 विधायक हार गए। पवार (83) ने 1967 में 27 वर्ष की आयु में विधायक बनने के बाद से एक अपराजित नेता के रूप में अपनी स्थिति रेखांकित करते हुए कहा कि मेरे अपने अनुभव हैं। जिन लोगों ने विश्वासघात किया है, उन्हें उनकी जगह दिखानी चाहिए. उन्हें सिर्फ हराएं ही नहीं, बल्कि बुरी तरह हराए।

कांग्रेस को एक और झटका, सुमेश शौकीन आप में शामिल

दिल्ली में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले एक बार फिर कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। अरविंद केजरीवाल की मौजूदगी में कांग्रेस के पूर्व नेता सुमेश शौकीन आम आदमी पार्टी में शामिल हो गए। इससे पहले बीते रविवार को अनिल झा आप में शामिल हुए थे और कैलाश गहलोत ने आम आदमी पार्टी से इस्तीफा दे दिया था। कैलाश गहलोत के भाजपा में जाने पर जब अरविंद केजरीवाल से पूछा तो उन्होंने वह स्वतंत्र है, वह जहां चाहें जा सकते हैं। भाजपा नेता व किराड़ी के दो बार विधायक रहे अनिल झा रविवार को आप में शामिल हो गए। अरविंद केजरीवाल ने पार्टी मुख्यालय पर उन्हें टोपी और पटका पहनाकर सदस्यता दिलाई थी। इस मौके पर केजरीवाल ने कहा कि था अनिल ने पूर्वांचल के लोगों के लिए

बहुत काम किया है। उनके आने से केवल किराड़ी ही नहीं, बल्कि पूरी दिल्ली में पार्टी को मजबूती मिलेगी। दिल्ली में 1750 कच्ची कॉलोनियां हैं। करीब 1650 कॉलोनियों में पेयजल पहुंचा दिया है। सौ में वन विभाग व एएसआई के कारण काम नहीं हो सकता। वहीं, अनिल झा ने कहा कि आप सरकार ने दिल्ली की कच्ची कॉलोनियों में काम किया। स्कूलों में अच्छी शिक्षा, साफ-सुथरा भोजन, मोहल्ला क्लीनिक की सुविधा सहित अन्य की सुविधाएं मिल रही हैं। विधायक दुर्गेश पाठक ने कहा कि दिल्ली में अगर पूर्वांचल के लिए किसी एक व्यक्ति ने काम किया है तो वे केजरीवाल हैं। जानकारी के लिए बता दें कि सुमेश शौकीन कांग्रेस के पूर्व विधायक हैं। यह 2008 में मटियाला से विधायक बने थे। उसके बाद 2013, 2015 और 2020 में मटियाला सीट से कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़े थे और तीनों बार ही हारे थे।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

प्रदूषण रोकना कोर्ट नहीं हम सबकी जिम्मेदारी

इसमें कोई शक नहीं कि शहरों में प्रदूषण का सबसे बड़ा कारण सभी प्रकार की गाड़ियां हैं। जैसे-जैसे गाड़ियों की संख्या बढ़ रहीं है शहरों की वायु ही नहीं जल व मिट्टी भी दूषित हो रही है। कोर्ट के आदेश के बाद से शहरी नीति निर्धारकों को कुछ ऐसा करना होगा जिससे प्रदूषण पर लगाम लग सके और मानवीय जीवन को बचाया जा सका।

अजरबैजान के बाकू में पूरी दुनिया में वायुमंडल पर पड़ रहे ग्रीन हाउस इफेक्ट पर चर्चा के बीच भारत से प्रदूषण रोकने के लिए एक खबर आई है। ये खबर सुप्रीमकोर्ट द्वारा दिये गए निर्देश के बाबत है। सुप्रीम कोर्ट ने जीआरएपी-4 के तहत प्रदूषण को रोकने के उपायों को लागू करने में देरी पर सवाल उठाया जीआरएपी-4 के तहत दिल्ली में भारी वाहनों के आने की मनाही किया गया है। इसमें कोई शक नहीं कि शहरों में प्रदूषण का सबसे बड़ा कारण सभी प्रकार की गाड़ियां हैं। जैसे-जैसे गाड़ियों की संख्या बढ़ रहीं है शहरों की वायु ही नहीं जल व मिट्टी भी दूषित हो रही है। कोर्ट के आदेश के बाद से शहरी नीति निर्धारकों को कुछ ऐसा करना होगा जिससे प्रदूषण पर लगाम लग सके और मानवीय जीवन को बचाया जा सका। ज्ञात हो कि कोर्ट ने फटकार लगाते हुए कहा कि वह बिना पूर्व अनुमति के प्रदूषण रोकने या कम करने के उपायों को हटाने या कम करने की अनुमति नहीं देगा।

जस्टिस अभय एस. ओका और ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने बताया कि राष्ट्रीय राजधानी में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) के खतरनाक स्तर पर पहुंचने के बाद भी ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (जीआरएपी) के चरण 4 के तहत निवारक उपायों के कार्यान्वयन में देरी हुई। इससे पहले सुनवाई की शुरुआत में दिल्ली सरकार के वकील ने पीठ को बताया कि दिल्ली में जीआरएपी का चरण 4 सोमवार से लागू हो गया है। इसके तहत भारी वाहनों को राष्ट्रीय राजधानी में प्रवेश करने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। इस पर पीठ ने वकील से कहा कि जैसे ही एक्यूआई 300 से 400 के बीच पहुंचता है, चरण 4 लागू करना होता है। आप जीआरएपी के चरण 4 में देरी करने का जोखिम कैसे उठा सकते हैं? कोर्ट ने कहा कि कोर्ट जानना चाहता है कि उसने प्रदूषण के स्तर में खतरनाक बढ़ोतरी को रोकने के लिए क्या कदम उठाए हैं? पीठ ने कहा कि हम चरण 4 के तहत निवारक उपायों को कम करने की अनुमति नहीं देंगे, भले ही एक्यूआई 300 से नीचे चला जाए। चरण 4 तब तक जारी रहेगा, जब तक न्यायालय इसकी अनुमति नहीं देता। अभी हाल में पराली जलाने को लेकर भी कोर्ट ने नाराजगी जताई थी। अमूमन जाड़े में उत्तर भारत में धुंध से पूरे इलाके ढक जाते हैं। यह धुंध यह दर्शाते हैं कि इन क्षेत्रों में हवा धुआं जहर के रूप में फैल रहा है अब सरकारों का ही नहीं आम जन की ड्यूटी है कि वह अपने पर्यावरण को प्रदूषण से बचाने में सहयोग करे।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

केंद्र और पंजाब के लिए सबक लेने का वक्त

ज्योति मल्होत्रा

मुझे गुरपुरब की सुबह जेएनयू के बेहतर प्रोफेसर सुरिंदर जोधका द्वारा किए ट्वीट में लिखे गुरु नानक देव जी के दो प्रमुख शब्द - 'निरभौ' (निर्भय) और 'निरवैर'-याद आ रहे हैं, उन्होंने आगे जोड़ा था : 'मैं उम्मीद करता हूं कि किसी तरह ये हमारे जीवन, हमारी बातचीत, हमारी राजनीति में समाहित हो सकें'। मानो उन्होंने बीते सप्ताह की शुरुआत में भाजपा नेता सुनील जाखड़ के साथ मेरे द्वारा किए साक्षात्कार शो को देखा हो (हालांकि उन्होंने ऐसा किया नहीं), जिसमें जाखड़ कई तरह के विचारों और भावनाओं से जूझते दिखाई दिए - अक्सर ऐसा लगा कि पूछे गए सवालों का जवाब देने के बजाय वे खुद से बात कर रहे हों। कुछ टिप्पणियां, निश्चित रूप से, उनकी अपनी अस्थिरता भरी राजनीतिक यात्रा के परिप्रेक्ष्य में थीं- पहले कांग्रेस में और बाद में भाजपा में रहने के दौरान, वहीं बहुत सी उस उथल-पुथल से संबंधित जिससे पंजाब अपने इतिहास के खास समय खुद को रूबरू पाता है, जिस व्यक्तिगत दुविधा से जाखड़ जूझते लगते हैं वे उससे कहीं बड़ी हैं।

निश्चित रूप से, मार्क्सवादी विचारधारा के बारे में बहुत कुछ कहा जा सकता है, जिसमें माना जाता है कि समय के बृहद रंगमंच पर व्यक्ति की भूमिका महज एक अदने से पात्र की है - मानो यह कहने में मार्क्स ने नाटककार शेक्सपीयर से प्रेरणा ली हो- और निश्चित रूप से, पंजाब और दिल्ली, दोनों जगह, वर्तमान में नाटक के पात्र कभी-कभी वे अदने से लगते हैं, जिनकी परछाइयां असाधारण रूप से बहुत बड़ी दिखाई देती हैं, अलबत्ता एक भव्य कैनवास पर प्रतिबिंबित। लेकिन जैसा कि हम सभी जानते हैं, सुबह की मुलायम रोशनी में छायाएं नदारद रहती हैं। दोपहर तक, वे पैरों के नीचे, कुचले जाने को तैयार। दिन के किसी और समय, वे नगण्य होती हैं या कोई मायने नहीं रखतीं। तो आरंभ से शुरुआत करते हैं, जितना हम जान पाए। प्रथम, जाखड़ ने प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह से कहा है कि वे अब राज्य पार्टी अध्यक्ष के रूप में काम नहीं कर पाएंगे। दूजा, वे कांग्रेस में भी नहीं लौटेंगे, जिस पार्टी में उन्होंने कई दशक काम किया, क्योंकि जैसा सुलूक कांग्रेस ने उनके साथ किया, उससे वे आहत हैं - हम जानते हैं कि कांग्रेस की एक अन्य दिग्गज पंजाबी नेत्री अंबिका सोनी ने कुछ साल पहले कहा था कि जाखड़ पंजाब के मुख्यमंत्री नहीं बन सकते

'क्योंकि वे हिंदू हैं' - और इसलिए भी क्योंकि जाखड़ को लगता है कि राहुल गांधी का पार्टी के गुटों पर 'कोई नियंत्रण नहीं' है। और फिर कुछ और बड़े सवाल भी थे - पार्टी की वफादारी और पार्टी हित से परे। प्रश्न हैं पहचान, आस्था, क्षमता और भरोसे को लेकर। उदाहरण के लिए, पंजाब में जब भाजपा अकाली दल की बैसाखी बिना लड़ती है तो अपने प्रभाव का विस्तार करने और सूबे के लोगों का विश्वास हासिल करने में असमर्थ क्यों रहती है? क्या अकाली दल का पराभव भाजपा से उसके घनिष्ठ संबंधों का परिणाम है या उसे अपने भीतर अन्य कारणों की तलाश करनी चाहिए? इससे ज्यादा, क्या पंजाब के बहुसंख्यकों को डर है कि आरएसएस-भाजपा 'निरभौ' और 'निरवैर' से पैदा खास समरसता वाले गुण को कमजोर करना और उनकी आस्था को देश के बहुसंख्यक वर्ग की आस्था की परिधि में लाना चाहती है? गुरपुरब पर, खास तौर पर महान गुरु की 555वीं जयंती पर ऐसे सवालों का घुमड़ना स्वाभाविक है। चंडीगढ़ के बाहरी इलाके में स्थित नाडा साहिब गुरुद्वारे सहित समूचे इलाके के बहुत से गुरुद्वारों में, जब हिंदू एवं सिख - वास्तव में, अन्य धर्मों के लोग भी - धैर्यपूर्वक पंक्ति में लग पवित्र गुरु ग्रंथ साहिब के दर्शन पाने का इंतजार कर रहे होते हैं, तो आपके अंदर विचार आता है कि क्या वर्तमान पंजाब का समाज गुरु नानक के मंत्रमुग्धकारी सूत्र ('न कोय हिंदू/न कोय मुसलमान') को आत्मसात करने को राजी है। अर्थात, क्या राज्य की अधिसंख्य आबादी (करीब 57.7 फीसदी) सूबे का मुखिया कोई गैर-सिख होने देने को तैयार होगी? जरा कल्पना करें कि जब लोग कहते हैं कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ता, हिंदू भी ठीक रहेगा, क्योंकि हो सकता है वह एक बेहतर नेता हो - और यह कि कुछ समय पहले तक या शायद अभी भी, हिंदू परिवारों में पहला बेटा सिख धर्म को अर्पित करने की परंपरा थी। इस स्थिति में, इस धर्म की समझौताकारी और सहिष्णुता वाली क्षमता के बावजूद उस आशंका का क्या बनेगा कि इससे पहले यह अहसास हो कि वास्तव में गुरपुरब कार्तिक पूर्णिमा पर मनाया जाता है, वह आपको काफी पहले अपने अंदर मिला चुका होता। केवल मेरे जैसा कोई बाहरी व्यक्ति ही इस बात की पुष्टि कर सकता है कि पंजाब के समक्ष दर्जनों समस्याएं मुंह बाये खड़ी हैं-नशा, अपराध, जबरन वसूली, कनाडा को पलायन करते युवा और पीछे बचे बुजुर्ग और खाली गांव, भारी बेरोजगारी, कृषि पर अत्यधिक निर्भरता, गिरता भूजल स्तर, भूमि उर्वरता में असाधारण ह्रास, भ्रष्टाचार समेत कई और चीजें जो मानवीय जीवन को प्रभावित करती हैं।

मनुष्य हेतु संजीवनी है परम शक्ति में आस्था

पहाड़ों पर चढ़ते समय बाबा ने शिष्य से कहा कि यदि कोई गहरी खाई आए तो मुझे बता देना। ऐसे ही वे दोनों चलते रहे और जैसे ही गहरी खाई आयी, शिष्य ने बाबा को इस बारे में बताया और कहा, 'बाबा गहरी खाई आ गयी है।' यह सुनकर बाबा ने शिष्य से कहा, 'अब तुम मुझे इस खाई में धक्का दे दो।' बाबा की यह बात सुनकर शिष्य विस्मित होकर चारों ओर देखने लगा। उसने कहा, 'मैं, भला आपको कैसे धक्का दे सकता हूं। ऐसा कुछ करने की तो मैं सोच भी नहीं सकता। आप तो मेरे गुरु हैं। मैं तो अपने किसी दुश्मन को भी इतनी गहरी खाई में नहीं धकेल सकता।' बाबा ने कहा, 'मैं खुद तुमसे इस खाई में धक्का देने को कह रहा हूं, यह मेरा आदेश है और यदि तुम इस आज्ञा का पालन नहीं करोगे, तो तुम्हें नरक की प्राप्ति होगी।'

डॉ. योगेन्द्र नाथ शर्मा 'अरुण'

दर्शन शास्त्र में दो विशिष्ट शब्द हैं- 'अस्ति' और 'नास्ति', जिनका अर्थ होता है- 'जो है' और 'जो नहीं है'। 'अस्ति' से आस्तिक बनता है और 'नास्ति' से नास्तिक बनता है। एक कहता है- 'परमात्मा है', तो दूसरा कहता है- 'परमात्मा नहीं है'। उक्त कथन का सीधा-सा तात्पर्य यह है कि 'अस्ति' सकारात्मक भाव है, जबकि दूसरी ओर 'नास्ति' नकारात्मकता को इंगित करता है। जब भी हमारा चिंतन सकारात्मक होता है, तब हम आस्था, निष्ठा, विश्वास, समर्पण और परहित जैसी भावनाओं से परिपूर्ण होते हैं। दूसरी ओर नकारात्मक सोच होने पर हमारे मन में संदेह, अनास्था, ईर्ष्या, वंचना आदि के भाव-प्रधान हो जाते हैं। 'अस्ति' भाव मन में आ जाए तो हमारा मन सृजनशील हो जाता है और हम 'परम शक्ति' में विश्वास करके यही सोचते हैं-

'होइहिं सोई जो राम रची राखा।
को करि तरक बढावहिं साखा।'

यानी हमारा मन परमात्मा के प्रति विश्वास और निष्ठा से परिपूर्ण होता है, जबकि 'नास्ति' भाव होने पर यह सोच बिल्कुल उल्टी हो जाती है। तब यक्ष-प्रश्न यह खड़ा होता है कि 'नास्ति' से बचें कैसे? बहुत ही सरल उत्तर यह है कि 'नास्ति' से 'नकार' को निकाल कर उसे 'अस्ति' बना लिया जाए। 'नास्ति' में तो सहज रूप से 'अस्ति' है, जबकि 'अस्ति' में 'नास्ति' हो ही नहीं सकता।

'बदलें अपनी सोच सखे, परहित का हो ध्यान।
नकारात्मक छोड़ कर, सृजन बने पहचान।'

इसी संदर्भ में एक रोचक बोधकथा ऐसी मिली जो सबसे साझी करना जरूरी लगा— 'गंगा के किनारे एक संत रहा करते थे, जो बहुत ही दयालु स्वभाव के थे। संत नित्य भगवान की पूजा-अर्चना करते थे। उस संत के बहुत सारे शिष्य थे, जो उनके सान्निध्य में शिक्षा ग्रहण कर रहे थे। संत जन्म से अंधे थे, लेकिन उसका एक नियम था। वह प्रतिदिन दिन ढल जाने के बाद पहाड़ों पर सैर के लिए जाया करते थे। जब भी वह भ्रमण के लिए जाते थे, तो हरि का कीर्तन करते हुए जाते और इसी प्रकार वहां से रोज लौट आते थे।

अपने गुरु को प्रतिदिन ऐसा करता देख उसके शिष्य असमंजस में पड़ जाते थे कि अंधे होने के बावजूद वे ऐसा कैसे कर लेते हैं? एक दिन जिज्ञासा के चलते एक शिष्य ने उनसे पूछा, 'बाबा! आप हर रोज इतने ऊंचे-ऊंचे पहाड़ों पर सैर के लिए जाते हैं, जहां बहुत गहरी खाइयां होती हैं और आप तो देख भी नहीं सकते। क्या आपको कभी डर नहीं लगता? कहीं आपके पांव कभी डगमगा गये तो? संत पहले थोड़ा मुस्कराए और फिर चले गए। अगले दिन सुबह उन्होंने अपने उसी शिष्य को भ्रमण के लिए साथ चलने को कहा। पहाड़ों पर चढ़ते समय बाबा ने शिष्य से कहा कि यदि कोई गहरी खाई आए तो मुझे बता देना। ऐसे ही वे दोनों चलते रहे और जैसे ही गहरी खाई आयी, शिष्य ने बाबा को इस बारे में बताया और कहा, 'बाबा गहरी खाई आ गयी है।' यह सुनकर बाबा ने शिष्य से कहा, 'अब तुम मुझे इस खाई में धक्का दे दो।' बाबा की यह बात सुनकर शिष्य विस्मित होकर चारों ओर देखने लगा।

उसने कहा, 'मैं, भला आपको कैसे धक्का दे सकता हूं। ऐसा कुछ करने की तो मैं सोच भी नहीं सकता। आप तो मेरे गुरु हैं। मैं तो अपने किसी दुश्मन को भी इतनी गहरी खाई में नहीं धकेल सकता।' बाबा ने कहा, 'मैं खुद तुमसे इस खाई में धक्का देने को कह रहा हूं, यह मेरा आदेश है और यदि तुम इस आज्ञा का पालन नहीं करोगे, तो तुम्हें नरक की प्राप्ति होगी।' शिष्य ने कहा, 'मुझे नरक भोगना स्वीकार है बाबा, किन्तु मैं ऐसा बिलकुल नहीं कर सकता।' तब संत ने शिष्य से कहा, 'अब तुम्हें समझ आया, जब तुम एक सामान्य मनुष्य होकर मुझे गहरी खाई में नहीं धकेल सकते, तो भला मेरा परमात्मा मुझे खाई में कैसे गिरने दे सकता है? भगवान हमेशा गिरे हुए को उबारते हैं और कभी किसी के भी साथ गलत नहीं होने देते हैं।' यह सुनकर शिष्य ने अपने गुरु को प्रणाम किया और इस सच्ची सीख के लिए गुरु जी को धन्यवाद दिया।

मित्रो! सच यही है कि अनागत के प्रति हम जब नकारात्मक सोच रखते हैं तो मन में 'भय' की भावना बनी रहती है। महाकवि तुलसीदास की तरह हम भी अगर परम शक्ति के प्रति आस्था और निष्ठा का भाव रखें, तो अहित की सोच से मुक्त होना सरल हो जाएगा-

'एक भरोसो, एक बल, एक आस बिस्वास।
एक राम घनश्याम हित, चातक तुलसीदास।'

निश्चय ही, परम शक्ति में आस्था और निष्ठा मनुष्य के लिए संजीवनी होती है।

रीढ़ हमारे शरीर का केंद्रीय हिस्सा है जो सिर से लेकर पैर तक के अंगों को जोड़ता है इसलिए यह हमारे सम्पूर्ण स्वास्थ्य और जीवन शैली के लिए काफी अहम है। रीढ़ ने केवल शरीर बल्कि मस्तिक से भी जुड़ा है।

स्पाइन का शरीर की संरचना में है विशेष महत्व

आजकल के आधुनिक जीवनशैली के चलते लोग शारीरिक गतिविधियों की कमी, गलत आदतें और तनावपूर्ण कार्यक्षेत्र का सामना कर रहे हैं। इनमें से सबसे महत्वपूर्ण और असरदार बदलाव हमारे शरीर की रीढ़ (स्पाइन) पर हो रहे हैं। रीढ़ का स्वास्थ्य न केवल हमारे शरीर की संरचना को प्रभावित करता है, बल्कि यह हमारे संपूर्ण स्वास्थ्य और जीवनशैली बीमारियों से भी गहरा जुड़ा हुआ है। रीढ़ का सही स्वास्थ्य बनाए रखना बहुत आवश्यक है, क्योंकि यह हमारे शरीर का केंद्रीय हिस्सा है जो सिर से लेकर पैर तक के अंगों को जोड़ता है। यह न केवल शरीर का संतुलन बनाए रखने में मदद करती है, बल्कि यह मस्तिष्क और शरीर के अन्य हिस्सों के बीच संचार को भी सुविधाजनक बनाती है। रीढ़ में 33 हड्डियां (वर्टेब्र) होती हैं, जिनमें से प्रत्येक का कार्य शरीर को सहारा देना और गति प्रदान करना है। यदि रीढ़ में कोई भी समस्या उत्पन्न होती है, तो यह शरीर के कई अन्य हिस्सों पर असर डाल सकती है।

शारीरिक सक्रियता की कमी

बैठे रहने की आदत, जैसे कि ऑफिस में घंटों कंप्यूटर पर काम करना या लंबे समय तक बैठकर टीवी देखना, रीढ़ की हड्डी पर दबाव डालता है। इससे रीढ़ में दर्द, हड्डियों की कमजोरी और अन्य समस्याएं हो सकती हैं। शारीरिक गतिविधियों की कमी से रीढ़ की लचीलापन और मजबूती घट जाती है, जिससे मोटापा और मधुमेह का खतरा बढ़ सकता है। मोटापे के कारण शरीर पर अधिक वजन आता है, खासकर पेट के आसपास। इससे रीढ़ पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है, जिससे कमर दर्द और अन्य हड्डी संबंधित समस्याएं उत्पन्न होती हैं। मोटापा स्पाइन को नुकसान पहुंचाने का एक बड़ा कारण बन सकता है। यह दर्द, पीठ और गर्दन के मांसपेशियों पर दबाव डालता है, जिससे समग्र जीवनशैली प्रभावित होती है। इसलिए हमें वजन कम रखने के लिए शारीरिक गतिविधियां करनी चाहिए।

स्ट्रेस और मानसिक दबाव

हमारे मानसिक तनाव का सीधा असर रीढ़ पर पड़ता है। जब हम लंबे समय तक तनाव में रहते हैं, तो शरीर में मांसपेशियां संकुचित हो जाती हैं, जिससे रीढ़ में दर्द और अन्य समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। तनाव का बढ़ता स्तर गर्दन, पीठ और कंधों में दर्द का कारण बन सकता है, जिससे मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य दोनों प्रभावित होते हैं। इसलिए हमें तनाव कम लेना चाहिए।

गलत आहार

गलत आहार (फास्ट फूड) के कारण हमारे शरीर में कैल्शियम और अन्य पोषक तत्वों की कमी हो सकती है, जिससे हड्डियां कमजोर हो जाती हैं। कमजोर हड्डियां रीढ़ में स्लिप डिस्क या अन्य विकृतियां उत्पन्न कर सकती हैं, जो दर्द मांसपेशियों में ऐंठन और कमजोरी का कारण बनती हैं। यह स्थितियां अक्सर लाइफस्टाइल बीमारियों के रूप में उभरती हैं, और व्यक्ति को स्थायी शारीरिक समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए हमें पोषक तत्वों का सेवन करना चाहिए।

नियमित करें व्यायाम

सक्रिय जीवनशैली को अपनाने से न केवल शरीर स्वस्थ रहता है, बल्कि रीढ़ की हड्डियां भी मजबूत होती हैं। रोज़ाना हल्की वॉक, योग, स्ट्रेचिंग या पिलाटेस जैसी शारीरिक गतिविधियां रीढ़ की सेहत के लिए फायदेमंद होती हैं। साथ ही, स्पाइन के स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने के लिए कुछ सरल उपायों को अपनी दिनचर्या में शामिल किया जा सकता है। ये उपाय न केवल आपकी रीढ़ को मजबूत बनाएंगे, बल्कि जीवनशैली बीमारियों से भी बचाव करेंगे। इसलिए हमें सही आहार, व्यायाम और मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा जिससे न केवल हमारी रीढ़ स्वस्थ रहेगी, बल्कि हम अन्य बीमारियों से भी बच सकते हैं। इसलिए, जीवनशैली में छोटे-छोटे बदलाव करके हम अपने रीढ़ को मजबूत बना सकते हैं और एक स्वस्थ जीवन जी सकते हैं।

मनीष कुमार मौर्य

हंसना मना है

मां- बेटा क्या कर रहे हो? बेटा-पढ़ रहा हुं मां.. मां- शाबाश! क्या पढ़ रहे हो? बेटा-आपकी होने वाली बहु के एसएमएस, दे थप्पड़, दे थप्पड़!

पति और पत्नी का जोरदार झगड़ा होता है। पति गुस्से से- तेरी जैसी 50 मिलेंगी। पत्नी हंसके- अभी भी मेरी जैसी ही चाहिए!

लड़की वाले लड़का देखने गए, लड़की वाले- कितना कमा लेते हो? लड़का- इस महीने दो करोड़ कमाया। लड़की वाले- फिर क्या हुआ? लड़का- बस, फिर मोबाइल में तीन पत्ती हेंग हो गया, और सारी कमाई चली गयी।

टीचर- मैं दो वाक्य दूंगा उसमें आपको अंतर बताना है। पहला वाक्य- उसने बर्तन धोए। दूसरा वाक्य- उसे बर्तन धोने पड़े। पप्पू - पहले वाक्य में कर्ता अविवाहित है। और दूसरे वाक्य में कर्ता विवाहित है।

मां अपने तोतले बेटे से बोली- बेटा, आज हम जहां लड़की देखने जा रहे हैं, तुम वहां बोलना मत, वरना ये लोग भी मना कर देंगे। बेटा: थीत है। लड़की वालों के घर जब लड़की चाय लेकर आई तो लड़का चाय पीते ही बोला, दलम है दलम है। लड़की तुरंत बोली, ओए फूत माल फूत माल!

कहानी | लोमड़ी और अंगूर

एक लोमड़ी बहुत भूखी थी। वह खाने की तलाश में काफी समय तक घूमने के बाद भी उसे खाने को कुछ भी न मिला, तभी उसकी नजर पास के एक बाग पर पड़ी। उस बाग से बड़ी ही मीठी सुगंध आ रही थी। वह तेजी से बाग की ओर अपने कदम बढ़ाने लगी। उसने मन ही मन सोचा कि इस बाग में कुछ तो होगा, जो उसे खाने को मिलेगा। इसी सोच के साथ वह और तेजी से आगे बढ़ने लगी। जैसे ही वह बाग में पहुंची, तो उसने देखा कि बाग तो अंगूर की बेलों से लदा हुआ है। सभी अंगूर पूरी तरह से पक चुके हैं। अंगूरों की महक से उसने इस बात का अंदाजा लगा लिया कि अंगूर कितने रसदार और मीठे होंगे। उसने झट से अंगूरों को लक्ष्य बनाकर एक लंबी छलांग मारी, लेकिन वह अंगूरों तक पहुंच नहीं सकी और धड़ाम से जमीन पर आ गिरी। उसका पहला प्रयास विफल हुआ। उसने सोचा क्यों न फिर से कोशिश की जाए। वह एक बार फिर जोश से उठी और इस बार उसने अपनी पूरी ताकत से पहले से तेज अंगूरों की ओर छलांग लगा दी, लेकिन अफसोस कि उसका यह प्रयास भी बेकार गया। इस बार भी वह अंगूरों तक पहुंचने में नाकामयाब रही, लेकिन उसने हार नहीं मानी। उसने खुद से कहा कि अगर दो प्रयास विफल हो गए तो क्या, इस बार तो सफलता मुझे मिलकर ही रहेगी। फिर क्या था, इस बार फिर वह दोगुने जोश के साथ खड़ी हुई। इस बार उसने अब तक की सबसे लंबी छलांग लगाने की कोशिश की। उसने अपने शरीर की सारी ताकत को एकत्र कर एक लंबी दौड़ लगाई। उसे लगा था कि इस बार उसे अंगूर पाने से कोई नहीं रोक सकता, लेकिन ऐसा हुआ नहीं। इस बार का प्रयास भी खाली गया। वह जमीन पर आ गिरी। इतने जतन करने के बावजूद वह एक भी अंगूर हासिल नहीं कर पाई। ऐसे में उसने अंगूर पाने की अपनी आस छोड़ दी और हार मान ली। अपनी विफलता को छिपाने के लिए उसने खुद ही बोला कि अंगूर खट्टे हैं, इसलिए इन्हें मुझे नहीं खाना।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आय में वृद्धि होगी। शेयर मार्केट से लाभ होगा। नौकरी में प्रभाव वृद्धि होगी। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। घर-परिवार में सुख-शांति रहेगी। जल्दबाजी न करें।

वृषभ

पूजा-पाठ में मन लगेगा। कानूनी अड़चन दूर होगी। जल्दबाजी से हानि संभव है। थकान रहेगी। कुसंगति से बचें। निवेश शुभ रहेगा। पारिवारिक सहयोग प्राप्त होगा।

मिथुन

आय में निश्चितता रहेगी। शत्रुभय रहेगा। घर-परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। चोट व दुर्घटना से बड़ी हानि हो सकती है।

कर्क

प्रेम-प्रसंग में जोखिम न लें। व्यापार में लाभ होगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। निवेश में सोच-समझकर हाथ डालें। शत्रु पस्त होंगे। विवाद में न पड़ें।

सिंह

परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी। स्थायी संपत्ति से बड़ा लाभ हो सकता है। समय पर कर्ज चुका पाएंगे। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न तथा संतुष्ट रहेंगे।

कन्या

मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। समय की अनुकूलता का लाभ मिलेगा। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा।

तुला

मेहनत अधिक व लाभ कम होगा। किसी व्यक्ति के उकसाने में न आएं। शत्रुओं की पराजय होगी। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। आय में निश्चितता रहेगी।

वृश्चिक

जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। मेहनत का फल मिलेगा। व्यस्तता रहेगी। कार्यसिद्धि होगी। निवेश लाभदायक रहेगा। व्यापार-व्यवसाय में मनोनुकूल लाभ होगा।

धनु

व्यापार मनोनुकूल लाभ देगा। जोखिम बिलकुल न लें। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। विरोधी सक्रिय रहेंगे।

मकर

बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। कारोबारी बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। निवेश में सोच-समझकर हाथ डालें। लापरवाही न करें। आशंका-कुशंका रहेगी।

कुम्भ

व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। आय होगी। फालतू खर्च पर नियंत्रण रखें। बजट बिगड़ेगा। कर्ज लेना पड़ सकता है। शारीरिक कष्ट से बाधा उत्पन्न होगी।

मीन

उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। शेयर मार्केट से बड़ा लाभ हो सकता है। संचित कोष में वृद्धि होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। यात्रा लाभदायक रहेगी।

भूल भुलैया 3 ने छुआ कमाई का जादुई आंकड़ा, 250 करोड़ के क्लब में की एंट्री

वीकेंड पर थिएटर्स में फिल्में देखने का चलन पुराना है और इससे फिल्ममेकर्स को काफी फायदा होता है। क्योंकि भारी तादाद में जो ऑडियंस सिनेमाघरों में पहुंचती है, उससे फिल्म के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन में तगड़ा इजाफा देखने को मिलता है। फिलहाल कार्तिक आर्यन स्टारर भूल भुलैया 3 के साथ ऐसा ही होता नजर आया है।

क्योंकि तीसरे रविवार को भूल भुलैया 3 ने हैरान करने वाली कमाई कर ली है और ये जादुई आंकड़ा भी पार कर डाला है। आइए एक नजर फिल्म के लेटेस्ट कलेक्शन रिपोर्ट पर डालते हैं। बीता रविवार रिलीज के हिसाब से निर्देशक अनीस बज्मी की हॉरर कॉमेडी फिल्म भूल भुलैया 3 के लिए 17वां दिन रहा। दीवाली के मौके पर बड़े पर्दे पर रिलीज होने वाली भूल भुलैया 3 अब तक कमाई के मामले में बॉक्स ऑफिस पर अपना दबदबा कायम किए हुए हैं, जिसका अंदाजा आप फिल्म के 17वें दिन के कलेक्शन

के जरिए आसानी से लगा सकते हैं।

सैकनिल्क.डॉट कॉम की रिपोर्ट के आधार पर तीसरे रविवार को इस मूवी ने 6 करोड़ का कारोबार किया है, जो पिछले दो दिन शुक्रवार और शनिवार की तुलना में काफी ज्यादा है। इसकी उम्मीद पहले ही की जा रही थी कि संडे को भूल भुलैया 3 की इनकम में बढ़ोत्तरी होगी और फिलहाल ऐसा होता हुआ भी नजर आया है।

रविवार की कमाई को जोड़ दिया जाए तो अब कार्तिक आर्यन और तृप्ति डिमरी की भूल भुलैया 3 का टोटल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन एक जादुई आंकड़े को पार कर चुका है। दरअसल फिल्म ने 250 करोड़ के क्लब में एंट्री ले ली और नेट कलेक्शन 251 करोड़ हो गया है, जोकि काबिल ए तारीफ माना जा रहा है। बता दें कि ये पहला मौका है, जब कार्तिक आर्यन की किसी भी फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 250 करोड़ की कमाई का आंकड़ा पार किया है। इसके साथ ही कम बजट वाली इस हॉरर कॉमेडी ने मेकर्स को मोटा मुनाफा कमा के दिया है।

बॉलीवुड | मन की बात

मेरी होम्योपैथिक दवा को वोदका समझते थे लोग : मनोज वाजपेयी

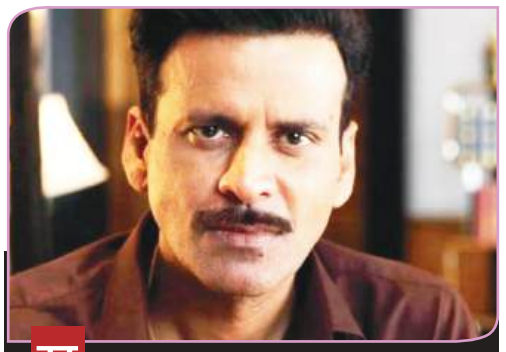

मनोज बाजपेयी को इंडस्ट्री में दो दशक हो गए हैं और उन्होंने न सिर्फ बॉलीवुड बल्कि ओटीटी पर भी अपनी जगह बनाई है। अभिनेता ने हाल ही में शेयर किया कि कैसे शूटिंग के दौरान लोगों को लगता था कि वे शराबी हैं और हर टेक से पहले वोडका का शॉट लेते हैं। दरअसल मनोज बाजयेपी कॉमेडियन भारती सिंह और हर्ष लिम्बाचिया के यूट्यूब चैनल पर इंटरव्यू के लिए पहुंचे थे। इस दौरान मनोज बाजपेयी ने खुलासा किया कि उनको लेकर रूमर्स फैले थे कि वे शूटिंग से पहले वोडका शॉट लेते हैं। एक्टर ने इसके बाद ये भी बताया कि आखिर में वे सेट पर क्या पीते थे। अपनी फिल्म 'जोरम' के सेट से एक घटना को याद करते हुए, मनोज बाजपेयी ने खुलासा किया, जब मैं जोरम की शूटिंग कर रहा था तो मेरी एक को-स्टार जो न्यूकमर थीं वह मेरे पास आईं। उन्होंने कहा, सर, मुझे आपके साथ काम करने में बहुत मजा आ रहा है। उसने आगे कहा, सर आप हर टेक से पहले वोडका शॉट लेने के लिए फेमस हैं। इसके बाद मनोज ने हैरानी जताते हुए अपनी को-स्टार से कहा , कौन सा शॉट? मैं हार्ड शराब भी नहीं पीता। मनोज बाजपेयी ने आगे बताया कि उनकी को-स्टार ने उन्हें फिर याद दिलाया कि वह हर कुछ घंटों में एक छोटी बोतल से कुछ पीते हैं जिससे लोगों को लगता है कि वे शराब पीते हैं। मनोज ने आगे बताया, मैंने कहा, क्या तुम क्रेजी हो? यह होम्योपैथिक दवा है। मनोज ने कहा लोग सोचते हैं कि मैं वोडका शॉट लेने के बाद सेट पर जाता हूं, ये तो शराबी है कबाबी है। बता दें कि हाल ही में मनोज बाजपेयी की फिल्म द फैबल आई थी। इस फिल्म ने इतिहास रच दिया है। ये फिल्म यूके में प्रेस्टिजियस लीड्स फिल्म फेस्टिवल में बेस्ट फिल्म का पुरस्कार जीतने वाली पहली भारतीय फिल्म बन गई है। इस बारे में बात करते हुए, मनोज बाजपेयी ने कहा, द फैबल का हिस्सा बनकर और इसे विश्व स्तर पर दर्शकों के बीच गूंजते हुए देखकर मैं इनक्रेडिबली सम्मानित महसूस कर रहा हूं। उन्होंने आगे कहा लीड्स में सर्वश्रेष्ठ फिल्म का पुरस्कार जीतना न सिर्फ हमारी फिल्म की जीत है बल्कि भारतीय सिनेमा के लिए गौरव का क्षण है। मुझे उम्मीद है कि द फेबल दुनिया भर के लोगों को प्रेरित और प्रभावित करती रहेगी।

हादसे में बाल-बाल बचीं कृष्णा अभिषेक की पत्नी कश्मीरा शाह

मशहूर कॉमेडियन कृष्णा अभिषेक की पत्नी कश्मीरा शाह का अमेरिका में एक्सीडेंट हो गया है। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक फोटो शेयर किया, जिसमें कार की सीट पर खून से लथपथ टिशू दिखाई दे रहे थे। फैंस इस मंजर को देखकर घबरा गए और कमेंट में पूछने लगे कि वह ठीक तो हैं न। जिसके बाद कृष्णा अभिषेक ने बताया कि उनकी पत्नी अब बिल्कुल ठीक है।

खून से लथपथ टिशू की तस्वीरें शेयर करते हुए कश्मीरा शाह ने कैप्शन में लिखा, मुझे बचाने के लिए भगवान का शुक्रिया। इतना अजीब हादसा कुछ बड़ा होने वाला थाज छोटे मैं निकल गया। आशा है कोई घाव नहीं होगा। हर दिन एक-एक पल जियो। आज मुझे अपने परिवार की बहुत याद आ रही है बता दें कि जिस वक्त ये एक्सीडेंट हुआ। उनके पति कृष्णा अभिषेक और बच्चे रेयान और कृषांग अभिनेत्री के साथ नहीं थे।

फैंस हुए परेशान

कश्मीरा की पोस्ट पर रिएक्ट करते हुए कृष्णा अभिषेक ने लिखा, भगवान का शुक्र है कि आप अब सुरक्षित हैं। पूजा भट्ट ने लिखा, हे भगवान आखिर क्या हो गया? उम्मीद है कि आपका ख्याल रखा जा रहा है? तनाज ईरानी ने लिखा, हे भगवान, यह डरावना है! मुझे आशा है कि आप अब ठीक हैं। किश्वर मर्चेंट ने लिखा, हे भगवान, क्या आप ठीक हैं? कृष्णा अभिषेक और कश्मीरा शाह रियलिटी कुकिंग शो 'लाफ्टर शेफ्स' में एक साथ नजर आए थे।

डे ऑफ द डेड के दिन कब्रिस्तान में जश्न मनाते जाते हैं यहां के लोग

इस दुनिया में कई अजीबोगरीब परंपराएं हैं, जिनको आज तक लोग मानते आ रहे हैं। ऐसी ही एक परंपरा मेक्सिको में भी है। यहां के लोग वर्ष में एक खास दिन अपने मरे हुए रिश्तेदारों की आत्माओं संग जश्न मनाते हैं। इस दिन मेक्सिको के लोग कब्रिस्तान पर एकत्रित होते हैं और खूब नाच-गाना होता है। मेक्सिको में इस त्योहार को डे ऑफ द डेड कहा जाता है। यहां के लोगों का मानना है कि त्योहार के दौरान स्वर्ग के दरवाजे खुल जाते हैं और मृतकों की आत्मा धरती पर वापस आती हैं। डे ऑफ द डेड त्योहार हर वर्ष लगभग नवंबर में मनाया जाता है। यहां लोग अपने मृत परिजनों की आत्मा का स्वागत करने के लिए कब्रिस्तान में एकत्रित होते हैं। वे अपने मृतक प्रियजनों की आत्माओं के लिए खाना, ड्रिंक्स और खिलौने तक रखते हैं। लोगों का मानना है कि ये सब छुट्टी मनाने के लिए धरती पर आई आत्मा को लुभाने के लिए किया जाता है। इस दौरान उदास रहने के बजाय जश्न मनाया जाता है। इनका मानना है कि इस समय जीवित और मृत लोग आपस में कनेक्ट हो पाते हैं। डे ऑफ द डेड त्योहार पर मेक्सिको में राष्ट्रीय अवकाश होता है। ये त्योहार लातिन अमेरिका, स्पेन, फिलीपींस और अमेरिका के कुछ हिस्सों में भी मनाया जाता है। ऐसा माना जाता है कि यह त्योहार एक पूर्व-हिस्पैनिक परंपरा से जुड़ा है, जिसकी शुरुआत हजारों साल पहले स्वदेशी समुदायों से हुई थी। एज्टेक (जातीय समूह) के अनुसार, मौत कुछ क्षण की होती है और आत्माएं वापस आ सकती हैं और धरती की यात्रा कर सकती हैं। कुछ विश्लेषकों के अनुसार, 16वीं शताब्दी में स्पेनिश लोगों के आने के बाद, उन परंपराओं को कैथोलिक कैलेंडर में मिला दिया गया था और अब इसे ऑल सोल्स डे के नाम से मनाया जाता है। इस दिन लोग कब्रिस्तान को खिलौनों और गुब्बारों से सजाते हैं। इसके अगले दिन ऑल सोल्स डे मनाते हैं। इस दिन मृत वयस्कों को याद किया जाता है। परिवार के लोग अपने प्रियजनों की कब्र को फूलों से सजाते हैं। इस दिन जीवित और मृत दोनों को उपहार के रूप में चीनी या चॉकलेट से बनी खोपड़ी दी जा सकती है। पैन डी मुर्टो भी लोकप्रिय है, जो विभिन्न आकारों में बनाई गई रोटी होती है। इसे अक्सर मुड़ी हुई हड्डियों की तस्वीर के तौर पर दिखाने के लिए सफेद क्रीम से सजाया जाता है। मृतक की प्यास बुझाने के लिए पानी भी रखा जाता है। इसके साथ ही जलती हुईं मोमबत्ती, भी रखी जाती है, जिससे निकलने वाली रोशनी मृतक की आत्मा का मार्गदर्शन कर सके।

अजब-गजब | अपने पति को खाने में जहर देकर मार देती थी यह महिला

इसे कहा जाता है ब्लैक विडो, जिसने 6 साल में की 17 शादियां और 17 कत्ल

पति का कत्ल करने के बाद की दूसरी शादी

दरअसल, लाला वन ने 14 साल की उम्र में अपने पहले पति को जहर देकर मारा था। लाला का पति उसे बेहद प्यार करता था, लेकिन लाला का सिर्फ छह महीने में ही उस आदमी से दिल भर गया था। ऐसे में जैसे ही उसकी जिंदगी में एक नया आदमी आया तो उसने अपने पति को मारने का मन बना लिया और एक दिन उसने अपने पति के खाने में जहर मिला दिया।

पति की मौत के चंद महीनों बाद ही लाला वन ने दूसरी शादी कर ली और पति के साथ दूसरे गांव में रहने लगी। हर किसी को लगा कि चलो इस लड़की का घर दोबारा बस गया। शादी के कुछ दिन तो लाला नए पति के साथ खुश रही, लेकिन चंद दिनों में ही इस आदमी से भी लाला का दिल भरने लगा। कुछ महीनों बाद उसने दूसरे पति को भी जहर देकर मार दिया। इस तरह से उसने 17 शादियां की और हर पति को शादी के कुछ महीने बाद ही मौत के घाट उतार दिया। वह खाने में जहर मिला देती थी।

पति को मारने के बाद लाला वन तुरंत

उनका अंतिम संस्कार भी कर देती थी। ये सिलसिला चलता रहा, एक के बाद आदमियों को लाला मारती रही। वो जिससे शादी करती छह महीने से पहले ही वो शख्स मर जाता। लोग इसे कुंडली दोष बोलते। कोई लाला से दया दिखाता, कोई नफरत करता। गांव वालों का मानना था कि कुंडली के दोष की वजह से लाला की शादी नहीं रुक पा रही और लाला विधवा हो रही है। कोई ये सोच भी नहीं पा रहा था कि खुद लाला ही अपने हर पति को मौत देती है और खुद सफेद साड़ी वाली काली विधवा बन जाती है।

20 साल की उम्र तक लाला ऐसे ही 16 बार विधवा बन चुकी थी। इसके बाद उसने 17वीं बार शादी की। लेकिन इसी दौरान पुलिस को उस पर शक हो गया कि आखिर क्यों एक के बाद एक पतियों की मौत हो रही है। हालांकि उसके खिलाफ कोई सबूत नहीं था। ऐसे में पुलिस ने उस पर नजर रखना शुरू कर दिया। पुलिस ने लाला वन के सत्रहवें पति को बचाने की काफी कोशिश की, लेकिन लाला ने उसको भी मारा डाला। इस बार पुलिस पहले से सचेत थी। मौत के तुरंत बाद घर से लाश को अंतिम क्रिया के लिए ले जाया जा रहा था, लेकिन इस बार ऐसा नहीं हो पाया। पुलिस ने लाला को सबूत मिटाने का मौका नहीं दिया। लाश को पुलिस ने अपने कब्जे में लिया और लाला वन को गिरफ्तार कर लिया गया। जांच से ये साफ हुआ कि लाला के सत्रहवें पति की मौत जहर देने से हुई है। पुलिस कस्टडी में लाला ने अपने जुर्म कबूल किए। पुलिस पूछताछ के दौरान कई चौंकाने वाली बातें इस महिला ने बताई।

संविधान को कुचलना चाहती है बीजेपी : राहुल

झारखंड को केंद्र से नहीं मिल रही मदद

» नेता प्रतिपक्ष का भाजपा पर हमला, कहा- हम इसकी रक्षा करने को लड़ेंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने झारखंड में चुनाव प्रचार के दौरान भाजपा पर हमला जारी रखा। उन्होंने कहा कि झारखंड में विचारधाराओं का चुनाव है। एक तरफ इंडिया गठबंधन है जो संविधान की रक्षा कर रहा है और गरीबों और आदिवासियों की सरकार चलाना चाहता है। दूसरी तरफ वो ताकतें हैं जो संविधान को कुचलना चाहती हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा और आरएसएस के वरिष्ठ नेताओं ने भी कहा है कि वह संविधान बदलना चाहते हैं। हम जाति जनगणना कराएंगे। इसके जरिये हम 50 प्रतिशत आरक्षण की सीमा को हटाएंगे। झारखंड में हम एसटी आरक्षण को 26प्रतिशत से बढ़ाकर 28प्रतिशत , एससी आरक्षण को 10प्रतिशत से बढ़ाकर 12प्रतिशत और ओबीसी आरक्षण को 14प्रतिशत से बढ़ाकर 27प्रतिशत करेंगे।

राहुल गांधी ने कहा कि आज किसानों के लिए धान का एमएसपी 2400 रुपये प्रति क्विंटल है। हमारी सरकार बनेगी, तो झारखंड के किसानों को धान का 3200 रुपये प्रति क्विंटल देगी। अगले 5 साल में हम 10 लाख युवाओं को रोजगार देने का प्रयास करेंगे। 1.36 लाख करोड़ रुपये झारखंड सरकार के हैं, केंद्र सरकार यह पैसा नहीं दे रही है। यह जमीन मुआवजे का पैसा है, कोयले की रॉयल्टी का पैसा है और भाजपा सरकार झारखंड के खिलाफ काम कर रही है। राहुल गांधी ने कहा कि मणिपुर में क्या हो रहा है, यह सभी जानते हैं। प्रधानमंत्री अभी तक वहां नहीं गए हैं। मैं मणिपुर गया हूं। हमने सरकार से हिंसा रोकने को कहा है। वहां किसी का स्वार्थ निहित है।

'यूपीए सरकार के समय जाति जनगणना न करवाना हमारी गलती थी'

कांग्रेस नेता ने कहा कि यूपीए और कांग्रेस जाति जनगणना का विचार लेकर आए थे। हमारी गलती है कि तब हमने इसको लागू नहीं किया। तेलंगाना में हमारी सरकार है और कर्नाटक में भी हमारी सरकार है। यहां हम इसका विस्तृत अभ्यास कर रहे हैं। हम सार्वजनिक चर्चा के माध्यम से जाति जनगणना के प्रश्न तैयार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जाति जनगणना के लिए हमारे पास बहुत स्पष्ट दृष्टिकोण है। मैं आपको गारंटी देता हूं कि हम जाति जनगणना लागू करेंगे। यह इस देश के परिवर्तन और विकास में एक बहुत बड़ा कदम होगा। भाजपा के लोगों को यह भी नहीं पता कि यह कैसे करना है। भले ही वे इसे करना चाहते हों।

दोस्तपुर स्वास्थ्य केंद्र का भी दौरा कर लीजिए मंत्री जी!

» ड्रग डीलरों के चंगुल में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सुल्तानपुर। उपमुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक अक्सर स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा लेने अस्पतालों में अचानक पहुंच जाते हैं और कमियां मिलने पर कार्यवाही भी करते है। अब शायद उन्हे जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र दोस्तपुर में भी आना पड़े क्यूंकि यहां के हालात बद से बदतर हो चुके हैं सुबह अस्पताल की ओपीडी खुलते ही दवा के एजेंसी धारकों का जमावाड़ा शुरु हो जाता है, वो इतना मनबढ़ हो चुके है या यूं कहें की बेखौफ़ हो चुके है कि कभी-कभार तो चिकित्सकों के बगल में बैठकर भी अपने मुनाफे की दवाएं लिखवाते हैं।

डॉक्टरों के कमरे में बैठते हैं दवा एजेंट

सरकारी अस्पताल की प्रक्रिया है कि ओपीडी में मरीज को दिखाने के लिए एक रुपये की पर्ची बनती है और इलाज से संबधित जांच एवं दवाएं उसी पर लिखी जाती है। लेकिन यहां हालात इससे अलग हैं, लगभग हर चिकित्सक में चैम्बर में एक सादे पन्ने या किसी मेडिकल स्टोर के नाम के लेटर हेड की गड्डी रखी हुई है, मरीजों को अस्पताल की पर्ची पे कुछ दवायें लिखने के बाद उस सादे पन्ने पर ड्रग डीलरों के मुनाफे वाली दवाई भारी भरकम लिख दी जाएगी। लिखा भी क्यों ना जाए आखिर इन्ही डीलरों से शायद डॉक्टर साहब का कमीशन भी आना है। इन सबका खामियाजा गरीब जनता को भुगतना पड़ रहा है मरीजों को अस्पताल से सरकारी कोटे की मुफ्त की दवाइयां ना मिलने पर बाहर मेडिकल स्टोरों पर जेब ढीली करनी पड़ रही है। यही हाल जांच के मामले में भी अस्पताल का है, ज्यादातर जांचे बाहर की पैथोलॉजी से लिख दी जाती है यहां भी आखिरकार गरीब जनता ही पिस रही है। इन सब मामले में जब सीएमओ से 4पीएम ने संपर्क करने की कोशिश की तो उनका फोन नहीं उठा।

बचाव की मुद्रा में नजर आये अधीक्षक

इस बारे में पूछने पर अधीक्षक डॉक्टर अजीत यादव बचाव की मुद्रा में नजर आये और कहा कि उनकी जानकारी में बाहरी व्यक्तियों का प्रवेश अंदर नहीं होने दिया जाता, वहीं सादे पन्ने या मेडिकल स्टोर के पैड पर दवा लिखे जाने के बारे में बताया कि यह मामला जानकारी में नहीं है, ऐसा भी हो सकता है किसी ने खुद लिखवा दिया हो। फिलहाल अधीक्षक साहब कुछ भी कहें लेकिन ये आम बात है कि लगभग हर चिकित्सक मरीज देखते समय मेडिकल स्टोर संचालकों का पैड बगल में रखता है और उस पर दवाएं और जांचे बेधड़क अंदाज़ में लिखी जाती हैं।

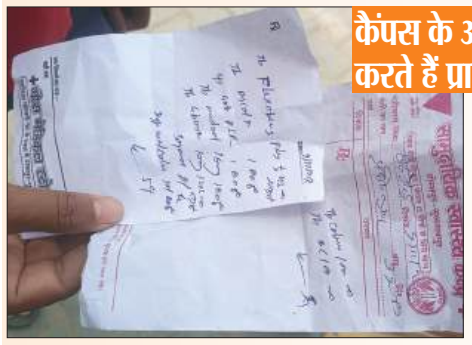

कैंपस के अंदर ही चिकित्सक करते हैं प्राइवेट प्रैक्टिस!

सीएचसी कैंपस के अंदर ही धड़ल्ले से निधार होकर चिकित्सक प्राइवेट प्रैक्टिस हैं, जिसकी मरीजों से बाकायदा फीस वसूली जाती है। हर चिकित्सक के आवास पर मरीजों को देखने और अल्प समय के लिए भर्ती करने की भी सुविधा उपलब्ध है।

छात्रों को स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े प्रमुख स्थलों की दी गयी जानकारी

» महाराजा बिजली पासी राजकीय महाविद्यालय में हुआ विश्व धरोहर सप्ताह का आयोजन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विश्व धरोहर सप्ताह के दौरान छात्रों को स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े प्रमुख स्थलों के बारे बताया गया। यह कार्यक्रम महाराजा बिजली पासी राजकीय महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ सुमन गुप्ता की प्रेरणा और महाविद्यालय के इतिहास विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ सनोबर हैदर से किया गया। महाविद्यालय के छात्रों को अपने देश के स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े प्रमुख स्थल काकोरी स्मारक के दर्शन करा कर सभी छात्रों को स्वतंत्रता संग्राम में काकोरी ट्रेन एक्शन डे के सम्बन्ध में जानकारी दी गई।

उस अप्रतिम घटना से जुड़े स्वतंत्रता सैनानियों – अशफाक उल्ल खान, पंडित राम प्रसाद बिस्मिल और ठाकुर रोशन सिंह का जीवन वृत्त एवं उनके बलिदान की जानकारी देते हुए इस स्मारक के सांस्कृतिक महत्त्व की जानकारी दी गई । डॉ सनोबर हैदर ने इस ऐतिहासिक घटना से जुड़े सभी क्रांतिकातियों के बारे में बताया।

भाजपा-आरएसएस के साथ हैं विजयन : सतीसन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोच्ची। केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने आईयूएमएल के प्रमुख पलक्कड़ सादिक अली शिहाब थंगल के खिलाफ अभद्र टिप्पणी करने के बाद ताजा विवाद खड़ा कर दिया। पलक्कड़ उपचुनाव के लिए एलडीएफ समर्थित स्वतंत्र उम्मीदवार पी सरीन की एक रैली में पिनाराई ने अत्यधिक आलोचना की। उन्होंने कहा कि थंगल जमात-ए-इस्लामी के नियमित अनुयायी की तरह व्यवहार कर रहे हैं।

आईयूएमएल कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ में दूसरा सबसे बड़ा गठबंधन भागीदार है। विधानसभा में विपक्ष के नेता वीडी सतीसन ने कहा कि मुख्यमंत्री ने संघ परिवार को खुश करने के लिए ये टिप्पणियां कीं। सतीसन ने कहा कि थंगल जैसे धर्मनिरपेक्ष व्यक्ति के खिलाफ सीएम की अपमानजनक टिप्पणी संघ परिवार को खुश करने के लिए है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ने हाल ही में पूछा था कि क्या वे थंगल की आलोचना नहीं कर सकते। उन्होंने कहा था, हम थंगल की आलोचना करेंगे। सतीसन ने पिनाराई विजयन पर भाजपा के राज्य प्रमुख के समान आवाज़ में बोलने का आरोप लगाया।

कोहली की सफलता पर टिका भारत का मध्यक्रम

» ऑस्ट्रेलिया की धरती पर अब तक छह शतक लगा चूके हैं विराट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में भारतीय मध्यक्रम का दारोमदार अनुभवी विराट कोहली की सफलता पर निर्भर करेगा। विराट इस वर्ष फॉर्म में नहीं हैं, बीते पांच वर्षों में उनके बल्ले से सिर्फ दो टेस्ट शतक निकले हैं। बावजूद इसके ऑस्ट्रेलियाई धरती पर उनका शानदार रिकॉर्ड भारतीय मध्यक्रम की सफलता ताना-बाना उनके इर्द-गिर्द बुन रहा है। दिग्गज सुनील गावस्कर ने भी स्पष्ट कर दिया है कि ऑस्ट्रेलिया में सफल रिकॉर्ड रनों के भूखे विराट का आत्मविश्वास वापस लाने का काम करेगा।

विराट ने अब तक ऑस्ट्रेलिया के चार दौरे किए हैं। चारों में ही उनका प्रदर्शन शानदार रहा है। ऑस्ट्रेलिया में विराट को रन बनाना भी पसंद है। अन्य किसी देश के मुकाबले विदेशी धरती पर सबसे ज्यादा रन विराट ने ऑस्ट्रेलिया में ही बनाए हैं। उन्होंने इस देश के खिलाफ कुल आठ शतक लगाए हैं, जिसमें छह ऑस्ट्रेलिया में लगाए गए हैं। लेकिन कोहली बीते चार से पांच वर्षों में विदेश ही नहीं बल्कि देश की धरती पर भी जूझ रहे हैं। उन्होंने पांच वर्षों में 60 टेस्ट पारियों में दो शतक और 11 अर्धशतक ही लगाए हैं। इस वर्ष 6 टेस्ट में उनका औसत 22.72 का रहा है, जिसमें सिर्फ एक अर्धशतक शामिल है। न्यूजीलैंड के खिलाफ वह तीन टेस्ट में सिर्फ 93 रन बना पाए। यही कारण है कि पांच टेस्ट मैचों की इस महत्वपूर्ण सीरीज में उनकी सफलता मध्यक्रम के लिए काफी अहम रहेगी।

विराट ने एडिलेड में लगाए दो शतक को बताया विशेष

भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी से पहले अपने दिल की बात कही और इस बात का खुलासा किया कि ऑस्ट्रेलिया में उनका पसंदीदा शतक कौन सा है। कोहली ने 2014 में अपनी कप्तानी के दौरान एडिलेड में लगाए दो शतक को हमेशा विशेष बताया है, हालांकि उन्होंने 2018 में पर्थ में लगाए गए अपने शतक को पसंदीदा बताया है। कोहली ने 2018-19 दौरे के उस मैच में 257 गेंदों पर 123 रन बनाए थे। यह दोनों टीम द्वारा उस मैच में बनाया गया एकमात्र शतक था। कोहली की यह पारी भारतीय टीम के काम नहीं आ सकी थी क्योंकि भारत ने वो मैच 146 रनों से गंवाया था और ऑस्ट्रेलिया ने सीरीज 1-1 से बराबर कर ली थी। कोहली ने कहा कि पर्थ की वो पिच सबसे कठिन थी। कोहली ने कहा, ऑस्ट्रेलिया में मेरी सबसे अच्छी पारी 2018-19 सीरीज में पर्थ में खेले गई पारी है। मेरा मानना है कि टेस्ट क्रिकेट में वो सबसे कठिन पिच थी जहां मैंने खेला है। उस पिच पर शतक लगाना सुखद था।

एक बार फिर सरकार को हिलाएंगे किसान

6 दिसम्बर को अपने जत्थों के साथ राष्ट्रीय राजधानी को करेंगे कूच

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश किसान एक बार फिर से सरकार से दो–दो हाथ करने के लिए तैयार हैं। किसान मजदूर संघर्ष मोर्चा, किसान मजदूर मोर्चा भारत, संयुक्त किसान मोर्चा एनबी यह सभी किसान संगठनों ने यह फैसला किया है। इन संगठनों ने रणनीति बना कर केन्द्र सरकार पर दबाव बनाना शुरू कर दिया है कि वह किसानों की मांगों को माने। इसके लिए बाचतीत के रास्ते से लेकर संघर्ष तक की रूपरेखा बनाई जा चुकी है और तारीखों का भी एलान हो चुका है।

26 नवंबर को जगजीत सिंह डल्लेवाल खनौरी बॉर्डर पर अनिश्चितकालीन अनशन शुरू करेंगे। यदि 9 दिनों के भीतर सरकार उनसे बात नहीं करती है तो फिर 10वें दिन यानि कि 6 दिसम्बर को किसान दिल्ली कूच कर जाएंगे जिसकी जिम्मेदारी सरकार की होगी।

अगर सरकार बातचीत कर कुछ रास्ता निकालेगी, तो यह सुखद होगा। हमें दिल्ली जाना है। हमने आंदोलन के लिए जंतर-मंतर या रामलीला मैदान मांगा है। सरकार अगर हमारी मांग मानती है, तो अच्छा होगा। हम शांतिपूर्ण तरीके से आंदोलन करेंगे। एक अन्य सवाल के जवाब में उन्होंने कहा है कि केंद्र सरकार बात करना चाहती है, तो सीधे तौर पर वार्ता शुरू हो सकती है। किसी की मध्यस्थता की जरूरत नहीं है। केंद्र सरकार किसी को मध्यस्थता करने के लिए कहेगी, तो हमें आपत्ति नहीं है।

26 नवंबर से अनशन करेंगे किसान नेता

फसलों के लिए एमएसपी गारंटी कानून समेत कई मांगों को लेकर किसान आंदोलन कर रहे हैं और पंजाब, हरियाणा बॉर्डर पर किसान डटे हुए हैं। 26 नवंबर से जगजीत सिंह डल्लेवाल अनशन करेंगे। 10 दिनों में सरकार बातचीत नहीं करती है, तो दिल्ली कूच किया जाएगा।

भाजपा के बड़े नेताओं से पूछा जाएगा सवाल

किसान मजदूर संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष सरवन सिंह पंढेर ने बयान जारी कर कहा है कि जगजीत सिंह डल्लेवाल के अनशन के दस दिन बाद यानी 6 दिसंबर को हम जत्थों के साथ दिल्ली की तरफ कूच करेंगे। हमारे साथ कोई भी वाहन नहीं होगा। हम जत्थों का पंजीकरण 30 नवंबर से शुरू कर देंगे। जिस दौरान जगजीत सिंह डल्लेवाल अनशन पर होंगे। पंजाब में भाजपा के जहां बड़े-बड़े नेता जाएंगे, तो हम उनसे सवाल करेंगे और पूछेंगे कि हरियाणा-राजस्थान बॉर्डर पर बैठे किसानों का मसला हल क्यों नहीं हो रहा है। 18 फरवरी के बाद से केंद्र सरकार से हमारी कोई बातचीत नहीं हो पाई है।

कोहरे का कहर : बस और ट्रक की टक्कर में दो ने तोड़ा दम

बस और ट्रक के ड्राइवरों की मौत, छह से ज्यादा लोग हुए घायल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कानपुर। घाटमपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत कानपुर सागर हाईवे पर जहांगीराबाद के पास मंगलवार सुबह हमीरपुर जा रही राठ डिपो की रोडवेज बस और ट्रक की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। इस दौरान बस में बैठी सवारियों के बीच चीख पुकार मच गई। इस हादसे में बस चालक और ट्रक चालक की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, 6 से ज्यादा लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

इस हादसे के बाद कानपुर सागर हाईवे पर कई किलोमीटर लंबा जाम लग गया। राहगीरो की सूचना पर पहुंची घाटमपुर पुलिस ने एंबुलेंस की मदद से घायलों को उपचार के लिए घाटमपुर सीएससी में भर्ती कराया। जहां पर डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद घायलों को कानपुर के हैलट अस्पताल के लिए रेफर कर दिया।

इस मामले में घाटमपुर थाना प्रभारी धनंजय पांडे ने बताया कि मंगलवार सुबह करीब 8.00 बजे के आसपास जहांगीराबाद के पास राठ से हमीरपुर जा रही राठ डिपो की रोडवेज बस और ट्रक का एक्सीडेंट हो गया था। इसमें ट्रक चालक मोहित यादव (25) व बस चालक प्रवीण कुमार (27) की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि, इस घटना में विजय, विजय की पत्नी प्रेमलता, राजेश ,अब्दुल कादिर, मनप्रीत सिंह समेत कई सवारियां घायल हो गई है। जिन्हें उपचार हेतु घाटमपुर से सीएससी में भर्ती कराया गया था। जहां पर डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें कानपुर के हैलट अस्पताल के लिए रेफर कर दिया है।

मणिपुर जैसे संवेदनशील मुद्दे पर गंभीर नहीं है बीजेपी : जयराम

कांग्रेस का आरोप- एनडीए की बैठक में नहीं पहुंचे कई विधायक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इंफाल। मणिपुर में जारी हिंसा को लेकर कांग्रेस ने राज्य और केंद्र सरकार पर तंज कसा है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि कल मणिपुर सरकार ने एनडीए विधायकों की बैठक बुलाई थी, लेकिन इस बैठक में सिर्फ 26 विधायक ही पहुंचे। इनमें से भी चार विधायक एनपीपी पार्टी के थे, जो कि पहले ही मणिपुर सरकार से समर्थन वापस ले चुकी है।

जयराम रमेश ने तंज कसते हुए लिखा कि दीवार पर लिखी इबारत बिल्कुल साफ है, लेकिन क्या मणिपुर के बड़े सूत्रधार - केंद्रीय गृह मंत्री, जिन्हें प्रधानमंत्री ने राज्य की सारी जिम्मेदारी सौंप दी है और आउटसोर्स कर दिया है - इसे पढ़ रहे हैं? मणिपुर के लोगों की असहनीय पीड़ा, दुख, और तकलीफ कब तक यूं ही जारी रहेगी?

महाराष्ट्र व झारखंड में मतदान कल, तैयारी में जुटे दल

झारखंड में दूसरे चरण में 41 सीटों पर वोटिंग, यूपी के 9 विस पर भी है उपचुनाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कल बुधवार 20 नवम्बर को जहां महाराष्ट्र में 288 सीटों के लिए विधान सभा चुनाव होगें वहीं झारखंड में दूसरे चरण के लिए 41 सीटों के लिए वोटिंग होगी। इस दौर में यूपी के 9 विस सीटों पर उपचुनाव भी होंगे। मतों की गिनती 23 नवंबर को होगी। जहां महाराष्ट्र में महायुति व महाविकास अघाड़ी में मुकाबला है तो झारखंड में भाजपा गठबंधन व झामूमो गठबंधन में सीधी जंग है।

झारखंड चुनाव के दूसरे चरण में किन दिग्गजों की साख दांव पर है। चुनावी मैदान में हैं तो इसमें एनडीए के 38 और इंडिया गठबंधन के 38 प्रत्याशी मैदान में हैं। एनडीए से बीजेपी 32 और अजसू 6 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। इंडिया से कांग्रेस पार्टी 12, जेएमएम 20, आरजेडी 2, सीपीआईएमल 4 सीटों पर चुनाव लड़ रही हैं। दूसरे दौर के मतदान के लिए 528 प्रत्याशी मैदान में हैं. इनमें से 55 महिला उम्मीदवार हैं, 14218 पोलिंग बूथ बनाए गए हैं, राज्य में कुल 1.24 करोड़ मतदाता हैं। पुरुष 62.9 लाख वोटर हैं जबकि 61 लाख महिला वोटर हैं। इस दौर में करीब 15 चेहरों पर सबकी नजरें होंगी। बरहट से जेएमएम अध्यक्ष और सीएम हेमंत सोरेन, महेशपुर से बीजेपी की सीता सोरेन मैदान में हैं।

288 सीटों पर महाराष्ट्र में महायुति व महाविकास अघाड़ी में टक्कर

महाराष्ट्र में होटल से शिंदे गुट के नेता जयंत साठे के कमरे से 2 करोड़ बरामद

महाराष्ट्र में होटल से चुनाव आयोग ने 2 करोड़ की रकम बरामद की है। जानकारी के मुताबिक जिस कमरे से ये रकम मिली उसमें एकनाथ शिंदे गुट के नेता जयंत साठे ठहरे हुए थे। फिलहाल इस खबर के अधिक विवरण की प्रतीक्षा की जा रही है। महाराष्ट्र की सियासत में पिछले दिनों जो कुछ घटा, उसकी वजह से इस बार राज्य का चुनाव बेहद रोमांचक हो चला है। ऐसे में हर किसी की नजरें इसी बात पर लगी है कि आखिर महाराष्ट्र में बाजी किसके हाथ लगेगी।

जीने लायक नहीं है राजधानी : थरूर

दिल्ली में प्रदूषण को लेकर केंद्र सरकार पर भड़के कांग्रेस नेता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता शशि थरूर राष्ट्रीय राजधानी में गंभीर वायु प्रदूषण को लेकर केंद्र सरकार पर जमकर बरसे हैं। शशि थरुर ने कहा कि दिल्ली दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर है। नवंबर से जनवरी तक दिल्ली की स्थिति रहने लायक नहीं रहती है। अगर साल के बाकी दिनों की बात करें तो भी बमुश्किल ही दिल्ली में रहना संभव हो पाता है।

शशि थरूर ने दावा किया कि यह अनुचित है कि सरकार वर्षों से दिल्ली में वायु प्रदूषण की समस्या को देखती रही, लेकिन उसने इस पर कोई उचित कार्रवाई नहीं की। सबसे प्रदूषित शहरों की सूची साझा करते हुए, शशि थरूर ने एक्स पर लिखा, दिल्ली आधिकारिक तौर पर दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर है, जो खतरनाक स्तर से 4 गुना अधिक है और दूसरे सबसे प्रदूषित शहर ढाका से लगभग पांच गुना अधिक खराब है। यह अमानवीय है कि हमारी सरकार वर्षों से इस दु:स्वप्न को देख रही है और इसके बारे में कुछ नहीं करती है।

गोलमेज सम्मेलन चलाया पर फिर भी कुछ नहीं बदला

थरूर ने कहा, मैंने 2015 से ही सांसदों सहित विशेषज्ञों और हितधारकों के लिए वायु गुणवत्ता गोलमेज सम्मेलन चलाया है, लेकिन पिछले साल इसे छोड़ दिया क्योंकि कुछ भी बदलता नहीं दिख रहा था और किसी को भी इसकी परवाह नहीं थी। यह शहर नवंबर से जनवरी तक रहने लायक नहीं रहता और साल के बाकी दिनों में तो यह मुश्किल से ही रहने लायक होता है। क्या इसे देश की राजधानी बने रहना चाहिए।

आतिशी सरकार ने केंद्र से की आर्टिफिशयल बारिश की मांग

दिल्ली में बिगड़ते प्रदूषण को देखते हुए एक बार फिर दिल्ली सरकार ने केंद्र सरकार से कृत्रिम बारिश करवाने की मांग की है। इसके लिए दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने केंद्र सरकार को चिट्ठी लिखी है। कृत्रिम बारिश के मुद्दे को लेकर सभी जरूरी विभागों के साथ बैठक बुलाने को लेकर केंद्रीय पर्यावरण मंत्री से मदद मांगी गई है। पर्यावरण मंत्री गोपाल राय का कहना है कि दिल्ली में बिगड़ते स्तर को देखते हुए इस इमरजेंसी स्थिति में कृत्रिम बारिश करवाना बेहद जरूरी हो गया है. उन्होंने कहा कि पिछले तीन दिनों से यूपी, बिहार, पंजाब, हरियाणा और उत्तर भारत में स्मॉग की चादर फैली हुई है।

दिल्ली में है मेडिकल इमरजेंसी

गोपाल राय ने कहा, आज मेडिकल इमरजेंसी की स्थिति है. दो ही उपाय हैं कि या तो तेज हवा चले या बारिश हो। दुनिया के कई देशों में आर्टिफिशियल रेन कराए जाते हैं। आज दु:ख है कि केंद्र में ऐसी सरकार है जिसके पर्यावरण मंत्री को एक मीटिंग बुलाने की फुर्सत नहीं है। आर्टिफिशियल रेन होगा या नहीं, केंद्र सरकार परमिशन देगी या नहीं यह तो मीटिंग के बाद तय होगा, लेकिन केंद्रीय पर्यावरण मंत्री को मीटिंग बुलाने का समय नहीं है. विदेश के किसी मंत्री को इतनी चिट्ठी लिखी होती तो वे भी मीटिंग बुला चुके होते।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार : सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार : संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट : हसन जैदी, दूरभाष : 0522- 4078371 | Email : daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।